घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 183- मंगलवार 05 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

बंगाल, असम और पुडुचेरी में खिला कमल

केरलम् में कांग्रेस,तमिलनाडु में विजयरथ टीवीके...

नई दिल्ली,04 मई 2026। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में बड़ा बहुमत प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही भाजपा के खाते में एक और राज्य जुड़ गया। असम और पुडुचेरी में भाजपा और एनडीए की सरकार दोबारा सत्ता में लौटी है। दक्षिण के दो बड़े राज्यों केरल और तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। केरल में वामदलों को हटा कांग्रेस नेतृत्व वाला गठबंधन 10 सालों बाद लौटा है। तमिलनाडु में एक साल पहले बनी एक्टर विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल 293 सीटों पर बहुमत के लिए 147 सीटें चाहिए। भारतीय जनता पार्टी यहां 206, तृणमूल कांग्रेस 81,कांग्रेस 2, माकपा को एक और अन्य को एक सीट पर जीत या आगे चल रही है। भाजपा को 45.75 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस को 40.82 प्रतिशत मत मिले हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। यहां टीवीके 106, द्रमुक 60 सीटें, अन्नाद्रमुक 47 सीटों, पीएमके 5, कांग्रेस 5 सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा को एक सीट मिली है और अन्य पार्टियां 11 सीटें जीती या आगे चल रही है। टीवीके को 34.91 प्रतिशत, द्रमुक को 24.19 प्रतिशत, अन्नाद्रमुक को 21.32 प्रतिशत मत मिला है।

असम

असम में 126 सीटें हैं और बहुमत के लिए 64 सीटें चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल है। इसमें भाजपा को 82 सीटें, बोडो पीपुल्स फ्रंट को 10 सीटें और असम गण परिषद को 10 सीटों पर जीत या बढ़ मिली है। वहीं कांग्रेस को 19 सीटें, एआईयूडीएफ को 2,रायजोर दल 2, तृणमूल कांग्रेस को 1 सीट पर जीत या बढ़त मिली है। यहां सबसे बड़ी पार्टी भाजपा को 37.91 प्रतिशत तथा सहयोगी पार्टियों बोडोलैंड को 3.74 प्रतिशत, एजीपी को 6.46 प्रतिशत मत मिले हैं। गठबंधन की दृष्टि से यह आंकड़ा 48 प्रतिशत से अधिक होता है।

केरलम्

केरलम् में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन 97 के आंकड़े तक पहुंचा है। इसमें कांग्रेस ने 63, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने 22, केरल कांग्रेस ने 7 सीटों, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने 3,राष्ट्रीय जनता दल ने 1 सीट और अन्य ने पर जीत या बढ़त बनाई है। वहीं वामदलों के नेतृत्व वाले गठबंधन को 36 सीटों पर बढ़त हासिल हुई है। गठबंधन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने 26,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी 8,रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, कम्युनिस्ट मार्क्सिस्ट पार्टी केरल स्टेट कमेटी ने 1-1 सीटों पर जीत या बढ़त बनाई है। अन्य पार्टियों में भारतीय जनता पार्टी को 3 और अन्य उम्मीदवार 4 पर आगे हैं।

पुडुचेरी

पुडुचेरी की 30 सीटों में बहुमत के लिए 16 का आंकड़ा चाहिए। यहां अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल 18 जीत सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें पार्टी को 12, सहयोगी भारतीय जनता पार्टी को 4, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और लाचिया जननायक काची को 1-1 सीट पर जीत मिली है। वहीं अन्य पार्टियों की बात की जाए तो द्रमुक को 6, कांग्रेस को 1 सीट मिली है। टीवीके को 2, नेयम मक्कल कड़गम को 1 सीट पर सफलता मिली है। इसके अलावा 3 स्वतंत्र उम्मीदवार जीते हैं।

उपचुनाव

विधानसभा उपचुनाव के नतीजे भी भाजपा के पक्ष में आए हैं। पार्टी ने सात में से चार पर जीत दर्ज की है। एक सीट पर उसके सहयोगी दल के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। कर्नाटक की दोनों सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में महाराष्ट्र की बारामती सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुनेत्रा पवार बड़े अंतर से जीती हैं। राहुरी से भाजपा उम्मीदवार अक्षय कार्डिले,गुजरात के उमरेठ सीट से भाजपा उम्मीदवार हर्षदभाई गोविंदभाई परमार ने जीत दर्ज की है। नगालैंड के कोरीडांग सीट पर भाजपा उम्मीदवार दाओचिर आई. इम्चेन, त्रिपुरा की धर्मनगर सीट पर भाजपा उम्मीदवार जहर चक्रवर्ती ने जीत दर्ज की है।

ममता भवानीपुर में 15 हजार वोटों से हारीं सुवेंदु ने लगातार दूसरी बार हराया

ममता बोलीं...काउटिंग के दौरान लात मारी,धक्का दिया

बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 179 सीटें जीत ली हैं और 28 पर आगे है। टीएमसी ने 61 सीटें अपने नाम कीं और 18 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस को सिर्फ दो सीट पर जीत मिली है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। भवानीपुर से सुवेंदु ने ममता को 15,114 वोटों से हराया। सुवेंदु के खिलाफ यह उनकी लगातार दूसरी हार है। 2021 विधानसभा चुनाव में सुवेंदु नंदीग्राम से ममता के खिलाफ जीते थे। ममता हार से पहले ही काउंटिंग सेंटर से निकल गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि, मुझे अंदर धक्का दिया और पीटा गया। यहां दोबारा काउंटिंग होनी चाहिए।

तमिलनाडु सीएम स्टालिन अपने ही बागी से हारे : विजय के ड्राइवर का बेटा जीता,पार्टी 108 सीटों पर आगे,केरल में सभी 140 सीटों के नतीजे घोषित

केरलम में सभी 140 सीटों पर नतीजे घोषित हो गए हैं। यहां कांग्रेस ने 63 सीटों पर जीत दर्ज की है। असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की कुल 529 विधानसभा सीटों के लिए वोटों की गिनती जारी है। सबसे बड़ा उलटफेर तमिलनाडु में हुआ है,जहां 2 साल पहले बनी विजय की पार्टी नंबर वन हो गई है। टीवीके ने 74 सीटों पर जीत दर्ज की है, 32 सीटों पर आगे चल रही है। तमिलनाडु के मौजूदा सीएम एमके स्टालिन कोलाथुर सीट हार गए हैं। उन्हें टीवीके के बीएस बाबू ने 8000 से ज्यादा वोटों से हराया है। बाबू पहले डीएमके में थे। फरवरी 2026 में ही उन्होंने विजय की पार्टी जॉइन की थी। अब टीवीके को सरकार बनाने के लिए 118 सीटों का बहुमत चाहिए। इस बीच विजय के ड्राइवर के बेटे आर. सबरिनाथन ने विरुगम्बक्कम सीट से जीत दर्ज की है। इधर,असम में भी हिमंता सरकार की वापसी हो गई है। हिमंता लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे। बीजेपी ने यहां 81 सीटें जीत ली हैं। जो बहुमत के आंकड़े से 13 ज्यादा है।

बिहार में फिर गिरा पुल...गंगा में समाया विक्रमशिला ब्रिज का हिस्सा

पटना,04 मई 2026। बिहार के भागलपुर में विक्रमशिला ब्रिज पर एक बड़ा हादसा हो गया। करीब 1:10 बजे पुल का एक पिलर अचानक ध्वस्त हो गया, जिससे उस पर टिका स्लैब सीधे गंगा नदी में गिर गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन समय रहते पुलिस और प्रशासन ने पुल पर आवाजाही रोक दी थी,जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। इस घटना के बाद नवगछिया और भागलपुर के बीच सीधा संपर्क टूट गया है। यह पुल उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एक प्रमुख मार्ग है, जिससे हर दिन हजारों वाहन गुजरते हैं। पुल बंद होने से यातायात पर बड़ा असर पड़ा है। हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। शहर में ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए भारी वाहनों को घोंघा, सबौर, जगदीशपुर और कजरेली जैसे इलाकों में रोक दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल की स्थिति पहले से ही खराब थी। करीब एक महीने पहले पिलर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन समय पर मरम्मत नहीं हुई। बताया जा रहा है कि पिछले कई वर्षों से बड़े स्तर पर रखरखाव नहीं किया गया था,जिससे यह हादसा हुआ। फिलहाल पुल पर आवाजाही पूरी तरह बंद है और प्रशासन स्थिति का आकलन कर आगे की कार्ययोजना तैयार कर रहा है।

भारत ने एक हफ्ते में दूसरी बार किया लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली,04 मई 2026। भारत ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार ओडिशा तट पर लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल ने 1,500 किमी. की रेंज में निर्धारित लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर समुद्र में देश की सुरक्षा बढ़ाने में बड़ी उपलब्धि दिलाई। डीआरडीओ ने पिछले सप्ताह 02 मई को भी ओडिशा तट पर इसी लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया था। इस टेस्ट ने मिसाइल के उन्नत टर्मिनल मार्गदर्शन प्रणाली की सटीकता को साबित कर दिया। इसने लॉन्च से लेकर आखिरी असर तक मिशन के सभी लक्ष्यों को पूरा किया, जिसमें बीच रास्ते में किए गए दांव-पेच और लगातार तेज रफ्तार से उड़ान भरना भी शामिल था। इस लॉन्ग रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (एलआर-एसएचएएम) को भारत के समुद्री तटों पर तैनात किया जाएगा। यह स्वदेशी दो-चरणों वाला सॉलिड-प्रोपेल हाइपरसोनिक ग्लाइड हथियार है, जिसे भारतीय नौसेना के लिए विकसित किया गया है। यह अपनी तरह का पहला और एक शक्तिशाली हथियार है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को बढ़ाता है।

जाजपुर में बारात से लौट रही बोलेरो ट्रक से टकराई,पांच लोगों की मौत

जाजपुर (ओडिशा),04 मई 2026। जाजपुर जिले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य लोग घायल हो गए। बताया गया है कि शादी से लौट रहे बारातियों की बोलेरो ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। अधिकारियों ने बताया कि बोलेरो में ड्राइवर समेत 13 लोग सवार थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा सोमवार सुबह जाजपुर जिले में नेशनल हाईवे 53 पर बरदा चाक के पास हुआ। बडाचना पुलिस स्टेशन के ससना पुरुषोत्तमपुर गांव के लोग रविवार को बारात लेकर क्योंझर गए थे। जब वे बोलेरो गाड़ी में वापस लौट रहे थे, तो नेशनल हाईवे पर बरदा चाक के पास बोलेरो सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड, पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें गाड़ी से निकाला और बडाचना और धर्मशाला मेडिकल सेंटर भेजा।

बंगाल जीत पर मोदी बोले...गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन लेंगे,पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी...

नई दिल्ली,04 मई 2026। पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। 47 मिनट के भाषण में उन्होंने पश्चिम बंगाल,असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा...गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा : पीएम मोदी

पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कम ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश,बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है मां गंगा ने मुझे बुलाया है।

बंगाल को बदला नहीं,बदलाव चाहिए : पीएम मोदी

बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। पहली बार डर नहीं लोकतंत्र जीता है। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइए हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया किसे नहीं दिया उससे ऊपर उठकर काम करें।

मोदी बोले...जनता को विवाद नहीं विकास चाहिए

मोदी बोले– भारत की जनता ने इस राजनीति का जवाब दिया जनता ने बताया उसे विवाद नहीं विकास चाहिए, विभाजन नहीं साथ चाहिए। आजादी के बाद कांग्रेस ने देश के हर राज्य में सरकारें बनाईं। लेकिन जैसे जैसे आजादी के आंदोलन से देश आगे निकला वैसे कांग्रेस जनता का भरोसा खोती गई।

मोदी बोले...भाजपा को हर जगह जीत मिल रही...

आप दो साल के ट्रेंड देखिए हरियाणा में लगातार तीसरी बार,महाराष्ट्र में जोरदार विजय,दिल्ली में अभूतपूर्व जीत,बिहार में भी पहले से बड़ी जीत मिली। ये सफलता लोकल गवर्नेंस के चुनाव में भी दिख रही है। गुजरात के स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम आए। हर चुनाव में जनता भाजपा को आशीर्वाद के नए रिकॉर्ड बना रही है। गुजरात में भाजपा को अब तक हाईएस्ट वोट शेयर मिला। ये भाजपा की गुड गवर्नेंस का बहुत बड़ा उदाहरण है।

मोदी बोले...नारी आरक्षण का विरोध करने वालों को सबक मिला

मोदी बोले– एक और महत्वपूर्ण पिलर भारत की नारी शक्ति है। नारी शक्ति की रफ्तार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने कुछ दिन पहले रोकने का काम किया। इन नारी विरोधी दलों ने नारी शक्ति संशोधन को पास नहीं होने दिया। मैंने कुछ दिन पहले कहा था महिला आरक्षण का विरोध करने वाले ऐसे दलों को महिलाओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा। टीएमसी और डीएमके को बहनों बेटियों ने सजा दी। केरलम में लेफ्ट के 10 सालों के कुशासन का फायदा कांग्रेस को मिला, लेकिन अगली बार केरल की बहनें भी कांग्रेस को सबक सिखाएंगी। समाजवादी पार्टी को भी यूपी की महिलाओं का आक्रोश सहना पड़ेगा।

मोदी बोले- कम्युनिस्टों को जनता ने सरकार से बाहर किया : मोदी बोले- एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जहां कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार हो। ये सिर्फ सियासत का बदलाव नहीं है। ये सोच का बदलाव है। ये बताता है कि विकसित होता भारत किस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। आज का भारत विकास,विश्वास,प्रगति चाहता है। ऐसी राजनीति चाहता है, जो देश को आगे बढ़ाए। लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस विपरीत दिशा में चल पड़ी है। जब पूरा देश कम्यूनिज्म से किनारा कर चुका है। लेकिन कांग्रेस उस विचारधारा को अपनाने में लगी है।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी भारतीय सैन्य इतिहास का एक अद्वितीय अध्याय : राजनाथ

नई दिल्ली,04 मई 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सैन्य इतिहास का एक अद्वितीय अध्याय बताया है। ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यूपी के प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस अभियान ने न केवल आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की उन्नत सैन्य तकनीक का लोहा भी मनवाया। बता दें पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने ''धैर्य'' दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास करा दिया। सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो सबक सिखाया उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया, अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि आज के जटिल और तेजी से बदलते परिवेश में आगे बढ़ने का एक ही मंत्र है- अनुकूलनशीलता। बदलती परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने किसी भी संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती के लिए 'सक्रियता से तैयारी' का आह्वान किया।

बिहार के तीन जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 12 की मौत,मुख्यमंत्री चौधरी ने जताया शोक

पटना,04 मई 2026। बिहार में सोमवार शाम तेज आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन जिलों में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा पूर्वी चंपारण में 05, गया जी में 04 और औरंगाबाद में 03 लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक,पूर्वी चंपारण जिले में एक घंटे की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। तेज आंधी बारिश से मोतिहारी में 5 लोगों की मौत हो गयी है। जिले में पहली घटना सुगौली थाना क्षेत्र के कैथवलिया गांव स्थित बगीचे की है जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान जयलाल सहनी के 15 वर्षीय पुत्र सन्नी देओल कुमार व मंजू सहनी के 8 वर्षीय पुत्री अंशु कुमारी के रूप में हुई है। जबकि घायल बच्चे की पहचान 9 वर्षीय मंतोष कुमार के रूप में हुई है। दूसरी घटना जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के सिसवनिया गांव में आकाशीय बिजली ताड़ के पेड़ पर गिर गई। जिसके बाद ताड़ के पेड़ में आग लग गई, जो देखते ही देखते पास की झोपड़ियों तक फैल गई। इस भीषण अगलगी में आधा दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए। घटना में अपने ननिहाल आई 3 वर्षीय बच्ची सरस्वती कुमारी की जलने से मौत हो गई। घटना में एक युवक भी घायल हुआ है। जिसकी पहचान 22 वर्षीय चंदन महतो के रूप में हुई है। तीसरी घटना ढाका-मोतिहारी पथ पर रूपडीह के समीप हुई। यहां तेज आंधी के कारण एक विशालकाय पेड़ सड़क से गुजर रहे ई-रिक्शा पर गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धीरज कुमार और चिरैया के 7 वर्षीय मासूम चुनचुन कुमार के रूप में हुई है।

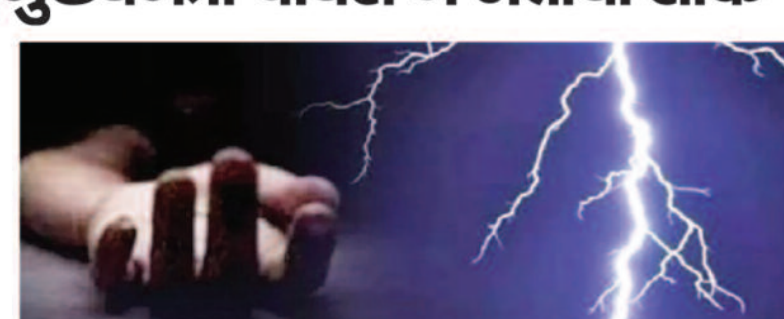

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गया जी जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 04 की मौत हो गई। मृतकों में शेरघाटी के जोगापुर निवासी राजेंद्र मांझी का बेटा गौतम कुमार,संदीप कुमार और सुरेंद्र मांझी का बेटा दिलकेश कुमार है। इनकी उम्र 15 से 17 साल के बीच है। ये सभी आम चुनने के लिए घर से निकले थे,इसी दौरान मौसम बदल गया और आकाशीय बिजली गिरी। तीनों गंभीर रूप से झुलस गए थे।

संपादकीय

नागरिकों की समस्या बढ़ाते जटिल नियम

उड़ीसा के क्योंझर जिले की घटना केवल एक विचलित कर देने वाली खबर नहीं,बल्कि यह भारतीय प्रशासनिक और बैंकिंग व्यवस्था का एक कुरूप चेहरा भी है। एक आदिवासी व्यक्ति अपनी मृत बहन के बैंक खाते से लगभग 19,300 रुपये निकालने के लिए इतना विवश हुआ कि वह उसका कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। बैंक की ओर से कहा गया कि मृत्यु प्रमाण-पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी से जुड़े दस्तावेज आवश्यक थे,जबकि परिजन का आरोप था कि उसे बार-बार लौटाया गया।

हालांकि डिजिटल मीडिया पर आलोचना के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से उन्हें उनकी राशि दे दी गई,पर बात यहीं नहीं खत्म होती। यह घटना इसलिए अधिक पीड़ादायक है,क्योंकि भारत ने पिछले एक दशक में वित्तीय समावेशन की बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं, ग्रामीण परिवारों और कमजोर वर्गों की है। इसका अर्थ है कि बैंकिंग अब केवल शहरों,वेतनभोगी वर्ग और शिक्षित लोगों की सुविधा नहीं रही,बल्कि गरीब,मजदूर,किसान,आदिवासी, महिला और असंगठित क्षेत्र के नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ गई है, लेकिन यही उपलब्धि अब हमें एक नए प्रश्न के सामने खड़ा करती है कि खाता खोलना तो आसान हो गया,पर खाते का अधिकार पाना क्या सचमुच आसान हुआ?

उड़ीसा की घटना बताती है कि वित्तीय समावेशन का अगला चरण केवल बैंक खाता नहीं, बल्कि बैंकिंग न्याय होना चाहिए। हालांकि बैंकिंग नियमों का अपना महत्व है। मृत जमाकर्ता के खाते से पैसा किसी भी व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता। धोखाधड़ी रोकना,वास्तविक उत्तराधिकारी की पहचान बैंक को भविष्य के विवादों से बचाना आवश्यक है, लेकिन नियम का उद्देश्य न्याय होना चाहिए, नागरिक को अपमानित करना नहीं। नियम सुरक्षा दें, भय नहीं। प्रक्रिया मार्गदर्शन दे,भ्रम नहीं। आरबीआइ ने भी मृत जमाकर्ताओं के दावों के निपटान को सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया है, लेकिन समस्या यह है कि नियमों की संवेदनशील व्याख्या शाखा स्तर तक नहीं पहुंचती। शहरों में बैंक कर्मचारी ग्राहक को फार्म,ईमेल,हेल्पलाइन और कस्टमर केयर से जोड़ देते हैं,लेकिन ग्रामीण भारत में बैंक शाखा ही नागरिक के लिए पूरा सिस्टम है। वहां शाखा प्रबंधक, बैंक मित्र,पंचायत सचिव,पटवारी,तहसीलदार और पुलिस,सभी मिलकर नागरिक के लिए राज्य का चेहरा बन जाते हैं। यदि इस चेहरे पर संवेदना नहीं है, तो नागरिक के लिए लोकतंत्र कागजों का ढेर बन जाता है। आज भारत डिजिटल भुगतान, यूपीआइ, आधार और जन-धन के माध्यम से वित्तीय समावेशन की दुनिया में उदाहरण बन चुका है, लेकिन सूचकांक और योजनाएं अपने-आप गरीब नागरिक की समस्या हल नहीं करतीं। असली परीक्षा तब होती है जब कोई अशिक्षित, आदिवासी, विधवा, बुजुर्ग या अकेला व्यक्ति बैंक के काउंटर पर खड़ा होता है और पूछता है कि अब मुझे क्या करना है? सिस्टम को बदलने की शुरुआत यहीं से होनी चाहिए। सबसे पहले, मृत खाताधारक के छोटे दावों के लिए एक सरल दावा प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए। यदि खाते में राशि एक लाख रुपये से कम हो, तो ग्राम पंचायत, स्थानीय राजस्व अधिकारी, आधार आधारित पहचान, परिवार रजिस्टर,मृत्यु की स्थानीय पुष्टि और दो गवाहों के आधार पर प्राथमिक दावा स्वीकार किया जाना चाहिए।

किराये की संतान नहीं,अपनत्व का पुनर्जागरण चाहिए

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

जीवन की सांझ जब अपने पूरे विस्तार के साथ उतरती है, तब मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता दवाइयों या धन की नहीं,बल्कि अपनों के सान्निध्य और अपनों की होती है। यह वही समय होता है जब व्यक्ति अपने जीवन की संचित स्मृतियों,अनुभवों और भावनाओं को साझा करना चाहता है। लेकिन आज का कठोर यथार्थ यह है कि अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अजनबी-से होकर रह गए हैं। विशाल मकानों में गूंजती खामोशी,सूने आंगन,और दरवाजे पर टकटकी लगाए प्रतीक्षा करती आंखें-यह सब मिलकर एक ऐसी त्रासदी रचते हैं, जो केवल व्यक्तिगत नहीं,बल्कि सामाजिक विघटन का संकेत है। आज वैश्वीकरण,रोजगार की अनिवार्यता और बेहतर भविष्य की तलाश ने नई पीढ़ी को देश-विदेश के कोनों में बिखेर दिया है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इस प्रक्रिया में जो सबसे बड़ी कीमत चुकाई जा रही है, वह है पारिवारिक संवेदना का क्षरण। अनेक बच्चे विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं,अपने जीवन में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि माता-पिता केवल फोन कॉल और औपचारिक संदेशों तक सीमित रह जाते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो एक ही शहर में रहते हुए वर्षों तक माता-पिता की सुध नहीं लेते। यह केवल दूरी की समस्या नहीं,बल्कि भावनात्मक दूरी का संकट है।

इसी संवेदनहीनता के वातावरण में एक नया और विचलित करने वाला प्रचलन उभरा है-किराये की संतान। कुछ कंपनियां और संस्थान अब ऐसे युवाओं या बच्चों को उपलब्ध करा रहे हैं, जो बुजुर्गों के साथ समय बिताते हैं, उनसे बातें करते हैं,उनके साथ सैर करते हैं,खेलते हैं और उनके अकेलेपन को कुछ हद तक कम करने का प्रयास करते हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था राहत देती प्रतीत होती है,लेकिन गहराई से देखने पर यह हमारे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रमाण बन जाती है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है-क्या अब ममता और अपनत्व भी अनुबंधों और पैकेजों में बांटे जाएंगे? क्या संबंधों की गरमाहट अब सेवा-शुल्क के साथ उपलब्ध होगी? यह स्थिति केवल विडंबना नहीं,बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतावनी है कि हम अपने मूल्यों से कितनी दूर चले आए हैं। किराये की संतान सुलभ कराने की परम्परा आधुनिक समाज-संरचना की एक बड़ी विडम्बना एवं त्रासदी है।

हालांकि यह भी सत्य है कि हर परिवार की परिस्थितियां समान नहीं होतीं। कई बार बच्चों के सामने ऐसी मजबूरियां होती हैं,जिनके कारण वे माता-पिता के साथ नहीं रह पाते। वहीं कुछ बुजुर्ग भी अपने स्वभाव या सोच के कारण नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते। लेकिन इन अपवादों के बावजूद,व्यापक स्तर पर जो प्रवृत्ति उभर रही है, वह आत्मकेंद्रित जीवनशैली और संवेदनाओं के ह्रास की ही परिणति है। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि यह सुविधा केवल उन बुजुर्गों के लिए सुलभ है,जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन हैं। मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय बुजुर्ग, जिनकी आय के स्रोत सीमित हो चुके हैं,वे इस प्रकार की सेवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, जहां पेंशन

नगण्य होती है और चिकित्सा खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा और मानसिक अवसाद के बीच झूलता रहता है।

निश्चित तौर पर आज का समाज तीव्र गति से बो ।रवाद और भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है,जहाँ संबंधों की ऊष्मा और भावनाओं की गहराई धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है। जीवन की प्राथमिकताएँ अब मानवीय मूल्यों से हटकर उपभोग, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक सफलता तक सीमित हो गई हैं। परिणामस्वरूप रिश्ते भी उपयोगिता और स्वार्थ के आधार पर आँके जाने लगे हैं। परिवार, जो कभी संवेदना, सहारा और संस्कार का केंद्र हुआ करता था,अब व्यस्तताओं और महत्वाकांक्षाओं के दबाव में बिखरता नजर आ रहा है। इस बदलते परिवेश में बुजुर्ग पीढ़ी सबसे अधिक उपेक्षित हो रही है, क्योंकि वे न तो बाजार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं और न ही नई पीढ़ी की भौतिक अपेक्षाओं को पूरा कर पाते हैं। उनके अनुभव,त्याग और स्नेह को अब बोझ या बाधा के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों के बढ़ने से उनकी सामाजिक और भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर हुई है। डिजिटल दुनिया ने संवाद को और अधिक सतही बना दिया है, जिससे आत्मीयता का स्थान औपचारिकता ने ले लिया है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन,असुरक्षा और उपेक्षा बढ़ती जा रही है,जो हमारे समाज के नैतिक पतन का संकेत है।

विकसित देशों में बुजुर्गों के लिए सामाजिक सुरक्षा की मजबूत व्यवस्थाएं हैं। वहां सरकारें उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके विपरीत भारत में, जहां परिवार को ही सबसे बड़ी सुरक्षा माना गया था, आज वही ढांचा कमजोर पे ता जा रहा है। सरकारें कर तो वसूलती हैं, लेकिन बुजुर्गों के लिए समुचित कल्याणकारी योजनाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसी परिस्थितियों में समाधान केवल भावनात्मक अपील तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए बहुआयामी और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। बच्चों में बचपन से ही माता-पिता के प्रति कर्तव्यबोध,सम्मान और संवेदना का संस्कार विकसित करना होगा। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम न होकर, जीवन मूल्यों का संवाहक बनेकृयह सुनिश्चित करना समय की मांग है।
दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-वृद्धाश्रमों और अनाथालयों का एकीकरण। यह विचार केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यावहारिक और मानवीय समाधान हो सकता है। यदि एक ही परिसर में बुजुर्गों और अनाथ बच्चों को साथ रखा जाए, तो दोनों की समस्याओं का समाधान संभव है। बच्चों को जहां स्नेह और मार्गदर्शन मिलेगा,वहीं बुजुर्गों को अपनत्व और बच्चों के साथ का अनुभव होगा। यह संबंध कृत्रिम नहीं, बल्कि स्वाभाविक और आत्मीय होगा। सरकार को इस दिशा में नीतिगत पहल करनी चाहिए। सुविधा-संपन्न, गरिमामय और मानवीय वृद्धाश्रमों का निर्माण, जहां केवल देखभाल ही नहीं,बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी समावेश हो,यह अत्यंत आवश्यक है। साथ ही निजी संस्थाओं को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए,लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि सेवाएं केवल व्यवसाय न बन जाएं, बल्कि सेवा का भाव प्रमुख रहे। बुजुर्गों को भी इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जीवन का यह चरण आत्मनिर्भरता और आत्मबल की मांग करता है। योग,ध्यान, प्राणायाम,सत्संग और सामाजिक सहभागिता उनके जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। डिजिटल साक्षरता भी उन्हें अपने बच्चों और समाज से जुड़े रहने में सहायक हो सकती है।

साररूप में यह समझना होगा कि समाज केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि संवेदनाओं की समृद्धि से विकसित होता है। यदि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान, स्नेह और सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं, तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। किराये की संतान का प्रचलन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि कहीं हम संबंधों को भी वस्तु तो नहीं बना रहे, भौतिकता की तराजू में तो नहीं तौल रहे हैं। यह समय है आत्ममंथन का अपने भीतर झांकने का और यह तय करने का कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम सच में एक स्वस्थ, संवेदनशील और संतुलित समाज की कल्पना करते हैं,तो हमें अपनत्व के उस दीप को पुनः प्रज्वलित करना होगा, जिसकी रोशनी में हर बुजुर्ग अपने जीवन की सांझ को गरिमा और सुकून के साथ जी सके।

पुणे का कलंक : समाज की संवेदनहीनता का सबसे काला अध्याय

प्रो.आर.के. जैन 'अरिजीत'
बड़वानी,मध्यप्रदेश

जब सुरक्षा केवल वादा रह जाए और डर स्थायी सच्चाई बन जाए...

कानून के बावजूद असुरक्षित जीवन : व्यवस्था पर उठते गंभीर प्रश्न

मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पुणे के भोर तहसील के नासरापुर गांव में 1 मई 2026 को घटी यह घटना केवल अपराध नहीं, बल्कि गहरी मानवीय त्रासदी है। लगभग चार वर्ष की मासूम बच्ची,जो गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर आई थी,उसे भोजन या बछड़ा दिखाने के लालच में पशुशाला में ले जाया गया। 65 वर्षीय व्यक्ति ने बेरहमी से अत्याचार कर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की और शव को गोबर के ढेर में छिपा दिया। सीसीटीवी कैमरों ने सच सामने ला दिया,फिर भी प्रश्न है कि ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं। क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना इतनी कमजोर हो चुकी है कि बच्चों की रक्षा भी सुनिश्चित नहीं? यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर विफलता का प्रमाण है। आरोपी पर पहले भी यौन अपराध के मामले दर्ज थे,जिससे अपराधियों के बढ़ते हौसले और पुलिस-न्याय व्यवस्था की कमियों पर सवाल और गहरे होते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विभिन्न रिपोर्टों और उपलब्ध जानकारियों से भी स्पष्ट होता है कि अनेक क्षेत्रों में स्थिति दिन-प्रतिदिन अधिक गंभीर और असुरक्षित होती जा रही है। जो स्थान कभी सुरक्षित माने जाते थे,वे अब अपराध और असुरक्षा के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। समस्या केवल कानूनों की मौजूदगी नहीं,बल्कि उनके कमजोर क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के अभाव में छिपी है। यदि एक मासूम बच्ची अपने ही घर के आसपास सुरक्षित नहीं है,तो यह पूरे सुरक्षा तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अपराधियों के बढ़ते हौसले का एक बड़ा कारण समाज की उदासीनता भी है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज कर देती है।

व्यवस्था में गहरे सुधार के बिना ऐसी घटनाओं पर रोक संभव नहीं। पुलिस व्यवस्था और न्याय प्रणाली में ठोस,प्रभावी बदलाव आवश्यक हैं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन हुआ है और मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक ट्रायल व कठोर सजा की घोषणा की है,लेकिन ये कदम केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहने चाहिए। बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के अंतर्गत लंबित मामलों की अधिक संख्या और दोषसिद्धि की कम दर व्यवस्था की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। प्रत्येक जिले में 24 घंटे सक्रिय बाल संरक्षण इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होनी चाहिए। गाँवों और शहरों में निगरानी कैमरों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाए तथा महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। न्याय प्रक्रिया को तेज,पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सुरक्षा की वास्तविक नींव समाज की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी होती है। केवल कानून या प्रशासन के भरोसे सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, जब तक समाज स्वयं सजग न हो। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों, आंगनवाड़ियों और खेल स्थलों को पूर्ण सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर कठोर निगरानी आवश्यक है। अभिभावकों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे संभावित खतरों को पहचान सकें। स्थानीय समुदायों में सतर्कता समूह बनाए जाने चाहिए जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना दें। बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षित व्यवहार की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब तक समाज सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक केवल कानून व्यवस्था पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।

सबसे बड़ी और गहरी चुनौती आज भी हमारी जड़ जमाई हुई मानसिकता है, जो वर्षों से बदली नहीं है। कई बार पीड़ित को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया जाता है और पुरानी सोच से प्रभावित प्रतिक्रियाएँ दी जाती हैं। यह धारणा बदलनी होगी कि खतरा केवल अजनबियों से होता है,जबकि वास्तविकता यह है कि कई बार परिचित और भरोसेमंद लोग ही अपराधी बन जाते हैं। शिक्षा प्रणाली में लिंग संवेदनशीलता,सहमति का सम्मान और नैतिक मूल्यों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मीडिया को भी अत्यंत जिम्मेदारी से कार्य करना होगा ताकि ऐसी घटनाओं को सनसनी के रूप में प्रस्तुत न किया जाए। दोषियों के लिए कठोरतम दंड पर गंभीर सामाजिक और कानूनी मंथन आवश्यक है।

बदलते समय में सुरक्षा को मजबूत करने की कुंजी आधुनिक तकनीक के प्रभावी और व्यापक उपयोग में निहित है। एआई आधारित उन्नत निगरानी प्रणाली, बच्चों के लिए सुरक्षित पहनने योग्य उपकरण और स्थान आधारित सुरक्षा तंत्र को बड़े स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। महिला सहायता केंद्रों को अधिक सशक्त,प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने योग्य बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीकी सुरक्षा सुविधाओं का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि गाँव और शहर के बीच सुरक्षा की खाई कम हो सके। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग केवल सुरक्षा के उद्देश्य से हो और उसका किसी भी रूप में दुरुपयोग न हो। तकनीक तभी वास्तविक रूप से सार्थक है,जब वह अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी सुरक्षा पहुँचा सके।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी मासूम और कमजोर जिंदगियों की सुरक्षा से होती है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल योजना नहीं,बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। इस घटना ने स्पष्ट किया कि दोषी अक्सर परिचित होता है और बार-बार जेल से छूटने वाले अपराधी समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। पुणे की मासूम बच्ची यह कठोर सच याद दिलाती है कि विकास तभी सार्थक है,जब जीवन सुरक्षित हो। यदि आने वाली पीढ़ियाँ भय में जीने को मजबूर होंगी,तो विकास के दावे अधूरे रह जाएँगे। समाज, प्रशासन और परिवार–सभी को मिलकर सुरक्षित वातावरण बनाना होगा। नागरिकों की सतर्कता,कानून का कठोर पालन और न्याय व्यवस्था की सक्रियता ही समाधान दे सकती है। यह समय केवल सहानुभूति का नहीं,बल्कि ठोस और निरंतर कार्रवाई का है। अगर अब भी नहीं जागे,तो कल और कितनी मासूम चीखें दब जाएँगी?

शहरों पर सबसे बड़ा संकट खतरनाक गर्मी

सुभाष बुड़ावनवाला,
रतलाम,मध्यप्रदेश

दुनिया के शहरों पर एक ऐसा संकट तेजी से गहराता जा रहा है, जो दिखाई कम देता है लेकिन असर सबसे ज्यादा करता है–खतरनाक गर्मी। वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक शहरी इलाकों में अत्यधिक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में लगभग 700त्न तक की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले शहरी भविष्य की भयावह तस्वीर है,खासकर ग्लोबल साउथ,यानी एशिया,अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए।

गर्मी का यह संकट सीधे तौर पर क्लाईमेट चेंज और अनियोजित शहरीकरण से जुड़ा है। शहरों में कंक्रीट,डामर और धातु की अधिकता प्राकृतिक हरियाली को खत्म कर देती है,जिससे अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट पैदा होता है। इसके कारण शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण इलाकों से 5 से 10 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। यह अंतर रात के समय और भी खतरनाक हो जाता है,जब शरीर को ठंडक नहीं मिलती और हीट स्ट्रेस बढ़ता है। इसका सबसे बड़ा असर गरीब आबादी पर पड़ता है। झुग्गी-झोपड़ियों या घनी बस्तियों में रहने वाले लोग न तो पर्याप्त वेंटिलेशन पा पाते हैं और न ही एयर कंडीशनिंग जैसी सुविधाएं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार अत्यधिक गर्मी हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनती है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। हीटवेव के दौरान डिहाइड्रेशन,हीट स्ट्रोक और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। 2023 और 2024 में भारत, यूरोप और अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने हजारों लोगों की जान ली, जिससे यह साफ हो गया कि यह समस्या अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की है।

आर्थिक दृष्टि से भी यह संकट गंभीर है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमान के अनुसार 2030 तक अत्यधिक गर्मी के कारण वैश्विक स्तर पर करोड़ों वर्किंग आवर्स नष्ट हो सकते हैं। निर्माण,कृषि,परिवहन और छोटे व्यापार जैसे सेक्टर,जहां गरीब और असंगठित श्रमिक अधिक होते हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। जब लोग काम नहीं कर पाएंगे,तो उनकी आय घटेगी,जिससे गरीबी और असमानता और बढ़ेगी।
शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में स्कूल बंद करने

पड़ते हैं या बच्चों की उपस्थिति घट जाती है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या अचानक बढ़ जाती है, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव बढ़ता है। बिजली की मांग चरम पर पहुंच जाती है,जिससे बार-बार पावर कट होते हैं–और यही चक्र समस्या को और गंभीर बना देता है।

हालांकि,समाधान मौजूद हैं–और यही इस रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है। शहर यदि समय रहते कदम उठाएं तो इस संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर इसका एक प्रमुख उपाय है। शहरों में पेड़-पौधे, पार्क,ग्रीन कॉरिडोर और जल स्रोत तापमान को स्वाभाविक रूप से कम करते हैं। शोध बताते हैं कि घने हरित क्षेत्र आसपास के तापमान को 2 से 4 डिग्री तक घटा सकते हैं।

इसी तरह कूल रूफ तकनीक,जहां छतों को सफेद या रिफ्लेक्टिव पेंट से ढका जाता है–भी बेहद प्रभावी है। भारत के अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे शहरों में इस मॉडल को अपनाने से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसके अलावा, सस्ती और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीकों को गरीबों तक पहुंचाना बेहद जरूरी है, ताकि वे भी इस बढ़ती गर्मी से खुद को बचा सकें।

शहरी नियोजन में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संकरी गलियों,ऊंची इमारतों और कम वेंटिलेशन वाले क्षेत्रों की बजाय ऐसे डिजाइन को बढ़ावा देना होगा जो हवा के प्रवाह को बढ़ाए और गर्मी को कम करे। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना,प्रदूषण कम करना और जल संरक्षण को प्राथमिकता देना भी इस दिशा में अहम कदम हैं।

नीतिगत स्तर पर सरकारों को हीट एक्शन प्लान को गंभीरता से लागू करना होगा। भारत के कई शहरों में इस तरह के प्लान शुरू किए गए हैं, जिनमें हीटवेव की चेतावनी, पानी की उपलब्धता और कूलिंग सेंटर की व्यवस्था शामिल है। लेकिन इन्हें व्यापक और प्रभावी बनाने की जरूरत है,खासकर उन इलाकों में जहां सबसे अधिक जोखिम है।

यह समझना होगा कि गर्मी अब केवल एक मौसम नहीं रही,यह एक बहुआयामी संकट बन चुकी है, जो स्वास्थ्य,अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को एक साथ प्रभावित कर रही है।

तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

दो-तीन वर्षों में नया मोबाइल खरीदना–यह केवल एक व्यक्ति का अनुभव नहीं, बल्कि आज के डिजिटल युग की एक व्यापक सच्चाई है। कभी तकनीक को जीवन को सरल,तेज़ और सुविधाजनक बनाने का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज वही तकनीक कई बार उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण बनती दिखाई देती है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक गलत है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग और व्यापारिक ढांचा किस दिशा में जा रहा है।मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए-नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा,तेज़ प्रोसेसर और आकर्षक डिज़ाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ़्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकर्ताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है और ऐप्स पहले की तरह सुचारू रूप से नहीं चलते। इस स्थिति ने प्लानंड ऑबसोल्सेंड यानी योजनाबद्ध अप्रचलन की बहस को जन्म दिया है–एक ऐसी रणनीति, जिसमें उत्पाद को इस तरह डिज़ाइन किया जाता है कि वह कुछ समय बाद अप्रभावी हो जाए, ताकि उपभोक्ता नया उत्पाद खरीदने को मजबूर हो। यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर बार कंपनियाँ जानबूझकर ऐसा करती हैं। तकनीकी रूप से, हर नया सॉफ़्टवेयर अधिक उन्नत होता है और उसे अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। पुराने हार्डवेयर पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही प्रक्रिया लगातार उपभोक्ता के अनुभव को खराब करती है, तो यह सवाल उठना लाज़मी है कि क्या कंपनियाँ अपने उत्पादों की दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर पर्याप्त ईमानदार हैं। उपभोक्ता के पास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं–या तो वह धीमे होते फोन के साथ समझौता करे या फिर नया फोन खरीदे।
टेलीकॉम क्षेत्र में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। पहले जहाँ रिचार्ज प्लान 30 दिनों के होते थे, वहीं अब अधिकांश कंपनियाँ 28 दिनों का चक्र अपनाने लगी हैं। पहली नजर में यह अंतर छोटा लगता है, लेकिन साल भर में यह अंतर एक अतिरिक्त रिचार्ज में बदल जाता है। यानी उपभोक्ता

को 12 के बजाय 13 बार भुगतान करना पड़ता है। यह एक सूक्ष्म लेकिन प्रभावी व्यावसायिक रणनीति है,जो कंपनियों के मुनाफे को बढ़ाती है, जबकि उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त भार डालती है। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए अधिक कठिन है,जिनकी आय सीमित है और जिनके लिए हर अतिरिक्त खर्च मायने रखता है। डिजिटल सेवाओं के बढ़ते विस्तार के साथ ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) का उपयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। बैंकिंग,ऑनलाइन खरीदारी, सोशल मीडिया,यहाँ तक कि कई सरकारी सेवाओं के लिए भी ओटीपी अनिवार्य हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक आवश्यक कदम है,क्योंकि साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि इससे उपयोगकर्ता अनुभव जटिल हो जाता है। हर छोटे काम के लिए ओटीपी की आवश्यकता प्रक्रिया को धीमा और कभी-कभी निराशाजनक बना देती है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्थिर नेटवर्क या आधुनिक उपकरण नहीं हैं, उनके लिए यह एक अतिरिक्त बाधा बन जाती है।

सबसे गंभीर मुद्दा डेटा की अनिवार्यता का है। आज के समय में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है;यह शिक्षा,रोजगार,स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच का मुख्य माध्यम बन चुका है। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान,ई-गवर्नेंस सेवाएँ–ये सभी इंटरनेट पर निर्भर हैं। ऐसे में डेटा खरीदना अब एक विकल्प नहीं,बल्कि आवश्यकता बन गया है। लेकिन जब डेटा की कीमतें लगातार बढ़ती हैं या योजनाएँ जटिल होती जाती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। डिजिटल विभाजन और गहरा हो जाता है, जहाँ एक वर्ग तेजी से आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूट जाता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या इस स्थिति पर नियंत्रण संभव है? इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखें और ऐसी नीतियाँ न अपनाएँ जो अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का कारण बनें। उदाहरण के लिए, रिचार्ज योजनाओं की अवधि और संरचना को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, ताकि उपभोक्ता को भ्रमित न किया जाए।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

CMYK

भाजपा की प्रचंड जीत पर अंबिकापुर में जश्न,घड़ी चौक गुलाल और आतिशबाजी से सराबोर

बंगाल,असम और पांडिचेरी के नतीजों से कार्यकर्ताओं में उत्साह

नेताओं ने कहा...तुष्टीकरण पर विकास और राष्ट्रवाद की जीत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी के विधानसभा चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली ऐतिहासिक सफलता का असर अंबिकापुर में भी देखने को मिला। शहर के प्रमुख घड़ी चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। गुलाल उड़ाते, आतिशबाजी करते और एक-दूसरे को मिठाई खिलाते कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था। 'झालमुरा' के साथ जीत का जश्न मनाते हुए माहौल पूरी तरह उत्सवी नजर आया। जश्न में भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी,जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज,महापौर मंजूषा भगत,जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर और संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व,विकास की राजनीति और जनता के भरोसे की जीत बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के परिणाम ऐतिहासिक हैं और यह राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ते हैं। साथ ही उन्होंने इसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने इसे तुष्टीकरण और अराजकता के खिलाफ राष्ट्रवाद एवं सुशासन की जीत बताया। उनके अनुसार, इन नतीजों ने देशभर के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। विधायक प्रबोध मिंज ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने भय और भ्रम की राजनीति को नकारते हुए विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व को चुना है। यह जनादेश स्पष्ट संकेत देता है कि देश निर्णायक और विकासोन्मुख नेतृत्व चाहता है। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार का बनना तुष्टीकरण की राजनीति के अंत और विकास की नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह जीत उन कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम है जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किया। युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने इस सफलता के लिए केंद्रीय नेतृत्व, राज्यों के कार्यकर्ताओं और जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि देश अब राष्ट्रवाद और अंत्योदय की राजनीति को ही स्वीकार कर रहा है।

कार्यक्रम में अंबिकेश केशरी, हरमिंदर सिंह टिन्नी,विनोद हर्ष,अरुणा सिंह, मधुसूदन शुक्ला,संतोष दास,विकास पांडेय,चंद्रिका प्रसाद यादव,निश्चल प्रताप सिंह, जनेमेजय मिश्रा,रूपेश दुबे,मनोज गुप्ता,शुभांगी बिहाड़े,कमलेश तिवारी, दीक्षा अग्रवाल,प्रिया सिंह,निशांत सिंह सोलू, जातीन परमार,मनोज प्रसाद,सतीश सिंह, सुशांत घोष,दीपक यादव,संजीव वर्मा, रविकांत उरांव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य में गंभीरता नहीं लेने पर पूर्व बतौली तहसीलदार को नोटिस जारी करने दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में जिले में चल रहे जनगणना कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान विकासखण्ड बतौली में जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर पूर्व तहसीलदार को नोटिस जारी करने अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक को निर्देश दिए। उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में प्रगणकों से लगातार सम्पर्क में रहें, एसडीएम एवं तहसीलदार स्वयं फील्ड पर जाकर मॉनिटरिंग करें। यह कार्य पूर्ण गंभीरता एवं सटीकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि सही जानकारी दर्ज की जाए, कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें तथा समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करें।

बैठक में पूर्व बैठक एवं निरीक्षणों में दिए गए निर्देशों के प्रगति की समीक्षा की गई तथा क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। इस दौरान जनदर्शन,जन चौपाल,जन शिकायत,पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, नगर निगम कमिश्नर श्री डी एन कश्यप सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रसोई गैस महंगी होने पर कांग्रेस का प्रदर्शन,अंबिकापुर में धरना

महंगाई, गैस संकट और सप्लाई कमी को लेकर सरकार पर निशाना,आमजन और कारोबारियों की समस्याएं उठाईं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और बढ़ती महंगाई के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने सोमवार को अंबिकापुर में धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम जनता और छोटे व्यापारियों की परेशानियों को उठाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में करीब 60 रुपए तक बढ़ोतरी हुई है,वहीं कमर्शियल सिलेंडर 1400 रुपए तक महंगा हो चुका है। सप्लाई में कमी के चलते गैस की उपलब्धता प्रभावित है और जमाखोर इसका फायदा उठाकर ज्यादा कीमत वसूल रहे हैं। इससे छोटे व्यवसायियों का काम प्रभावित हो रहा है और खाद्य सामग्री की कीमतें भी बढ़ रही हैं।

गैस महंगी,कारोबार पर असर गहरा

धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि कमर्शियल गैस पर निर्भर होटल,ढाबा और छोटे व्यवसाय सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर गैस की अनुपलब्धता के कारण कारोबार ठप होने की स्थिति बन गई है, जबकि बढ़ती लागत के कारण आम लोगों की थाली भी महंगी हो रही है। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश ने सस्ते तेल और गैस देने वाले भरोसेमंद साझेदारों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों के लिए केवल अंतरराष्ट्रीय हालात नहीं बल्कि सरकार की नीति भी जिम्मेदार है।

नीतियों पर उठे सवाल,महंगाई को बताया बड़ी चुनौती

जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण देश को अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुकना पड़ा है,जिसका असर आम जनता पर पड़ रहा है। निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने रुपये की गिरती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि इसका सीधा असर आम लोगों की क्रय शक्ति पर पड़ा है। प्रदेश महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियां पूंजीपतियों के पक्ष में हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ा है।

कृषि क्षेत्र पर भी असर,बढ़ सकती है महंगाई

पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि का असर कृषि क्षेत्र पर भी पड़ रहा है। कृषि उपकरणों और सिंचाई संसाधनों की लागत बढ़ने से किसानों की परेशानी बढ़ी है। उन्होंने आशंका जताई कि खाद की कमी और लागत बढ़ने से उत्पादन प्रभावित होगा,जिससे आने वाले समय में अनाज महंगा हो सकता है। धरना-प्रदर्शन में अजय अग्रवाल, जेपी श्रीवास्तव, डॉ. अजय तिर्की सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनरेटर में दुपट्टा फंसने से महिला गार्ड की मौत

संकल्प अस्पताल में हादसा,इलाज के दौरान तोड़ा दम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

शहर के मणिपुर थाना क्षेत्र स्थित संकल्प अस्पताल में कार्यरत एक महिला सुरक्षा गार्ड की जनरेटर में दुपट्टा फंसने से मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार,दर्रीपारा निवासी अनिषा तिग्गा (26) संकल्प अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थी। 2 मई को मौसम खराब होने के दौरान वह जनरेटर में डीजल का स्तर जांचने गई थी। इसी दौरान उसका दुपट्टा जनरेटर के पंखे में फंस गया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के कारण लगातार उपचार किया गया,लेकिन सोमवार दोपहर करीब 3 बजे उसकी मौत हो गई। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

अस्पताल प्रबंधन ने जताई संवेदना : अस्पताल प्रबंधन ने घटना पर दु:ख जताते हुए मृतका के परिजनों को सहायता देने की बात कही है। प्रबंधन के अनुसार,परिवार के एक सदस्य को योग्यता के आधार पर अस्पताल में नौकरी दी जाएगी। साथ ही,मृतका की बेटी की पढ़ाई के लिए संकल्प फाउंडेशन के माध्यम से सहयोग किया जाएगा। भविष्य में वयस्क होने पर बच्ची को भी योग्यता के अनुसार रोजगार का अवसर देने की बात कही गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल नवयुवक की इलाज के लिए अंबिकापुर लाते वक्त मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक,बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम सिरकोट निवासी अमितेश भगत पिता खुल्लू राम भगत 19 वर्ष,बीते दिवस घर से बाइक लेकर अपनी नानी के घर ग्राम करकली जाने के लिए निकला था। रास्ते में ग्राम सेमरा के पास देर रात करीब 11 बजे उसे अज्ञात वाहन का चालक ठोकर मारकर भाग गया,जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। कुसमी स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक उपचार करने के बाद रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर आ रहे थे,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी। अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कुत्ते के काटने के तीन माह बाद महिला की मौत,झाड़-फूंक में इलाज बना कारण

एंटी रेबीज नहीं लगवाने से बिगड़ी हालत,मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

जशपुर जिले की एक महिला की कुत्ते के काटने के तीन माह बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार महिला ने घटना की जानकारी किसी को नहीं दी थी और गांव में ही जड़ी-बूटी से इलाज करवा रही थी। जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के ग्राम मकरीबंधा निवासी स्थरेंस केरकेट्टा को करीब तीन माह पहले पड़ोस के पालतू कुत्ते ने काट लिया था। महिला ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और अस्पताल जाने के बजाय स्थानीय वैद्य से जड़ी-बुटी से इलाज कराती रही। तीन दिन पहले महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे कमर और पैरों में तेज दर्द होने लगा। परिजन उसे जशपुर अस्पताल ले गए,जहां से हालत गंभीर होने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

डॉक्टरों की चेतावनी,समय पर लगवाएं एंटी रेबीज : डॉक्टरों का कहना है कि कुत्ते के काटने के बाद तुरंत एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाना जरूरी होता है। झाड़-फूंक या जड़ी-बूटी के भरोसे रहने से संक्रमण बढ़ सकता है, जो बाद में जानलेवा साबित होता है।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले : स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले भी इसी तरह की लापरवाही के कारण एक अन्य व्यक्ति की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि कुत्ते या किसी भी जानवर के काटने पर तुरंत अस्पताल जाकर इलाज कराएं, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

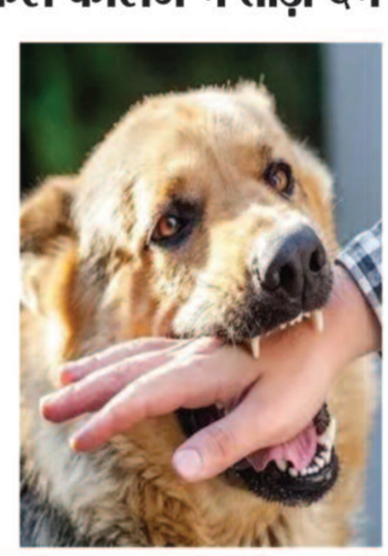

आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जेल प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक एमसीबी जिला के केल्हारी थाना अंतर्गत ग्राम गुडरू निवासी शिव प्रसाद पिता स्व. बरवा पाव 50 वर्ष, पत्नी की हत्या के मामले में मनेन्द्रगढ़ जेल में निरूद्ध था। वर्ष 2021 में न्यायालय द्वारा उसे आजीवन कारावास की सजा से दण्डित करने पर उसे मनेन्द्रगढ़ जेल से केंद्रीय जेल अंबिकापुर में शिफ्ट कर दिया गया था। दो मई को दस्त की शिकायत पर जेल अस्पताल में आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के बाद प्रबंधन ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था, यहां इलाज के दौरान रविवार की रात,8.10 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। सोमवार को स्वजन की उपस्थिति में मृत कैदी के शव का पोस्टमार्टम पुलिस ने कराया है।

यूजीसी-जेआरएफ में चयन से विश्वविद्यालय का नाम रोशन

जैव प्रौद्योगिकी के छात्र बजरंग देवांगन को मिली पीएचडी फेलोशिप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के छात्र बजरंग देवांगन का प्रतिष्ठित यूजीसी-जेआरएफ फेलोशिप में चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने हर्ष व्यक्त किया है। कुलपति प्रो. राजेन्द्र लकपाले ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को मजबूत करती है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देकर ऐसी उपलब्धियों के लिए प्रेरित करें।

कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने भी इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। बजरंग देवांगन जैव प्रौद्योगिकी विषय में पीएचडी करेंगे। उनका शोध कार्य डॉ. अमृता कुमारी पांडा के मार्गदर्शन में किया जाएगा। शोध का विषय पादप वृद्धि प्रोत्साहक सूक्ष्मजीवों से तैयार जैव-फॉर्मुलेशन का टमाटर और मिर्च फसलों पर प्रभाव का अध्ययन है। यह शोध सरगुजा क्षेत्र की मिट्टी में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री साय ने हितग्राहियों के साथ किया भोजन, महिलाओं ने साझा की आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानियां

मुख्यमंत्री ने महिलाओं की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हितग्राहियों के साथ आत्मीय माहौल में दोपहर का भोजन किया। मुख्यमंत्री की थाली में सरगुजा अंचल के पारंपरिक एवं शुद्ध ग्रामीण परिवेश के स्थानीय व्यंजन परोसे गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद कर उनकी जीवन यात्रा और सफलता की कहानियां सुनीं।

थाली में परोसा गया 'छत्तीसगढ़ी स्वाद'

मुख्यमंत्री के आगमन पर शांतिपारा के ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। निरीक्षण के बाद श्री साय ने हितग्राहियों के साथ दोपहर का भोजन किया। मुख्यमंत्री की थाली में शुद्ध ग्रामीण परिवेश और सरगुजा की माटी की खुशबू बिखेरते व्यंजन परोसे गए थे, जिनमें शामिल मुख्य आहार में गरमा-गरम चावल,दाल और हाथ की बनी रोटियां। स्वाद से भरपूर प्याज भाजी,चटपटा कटहल,कुरकुरा करेला भुजिया और सेहतमंद लौकी की सब्जी। गर्मी के मौसम को देखते हुए आम का पाना और तीखी-मिठ्ठी आम की चटनी ने भोजन के स्वाद को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री ने भोजन की सराहना करते हुए कहा कि गांव के घर में बना यह सादा भोजन किसी भी छप्पन भोग से कहीं अधिक सुखद है।

भोजन की मेज पर साझा हुए 'सुशासन' के अनुभव : भोजन के दौरान मुख्यमंत्री और ग्रामीणों के अनौपचारिक चर्चा के बीच हितग्राहियों ने अपने मन की बात मुख्यमंत्री को बताया कि कैसे शासन की विभिन्न योजनाओं से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस दौरान ग्राम पोपरेंगा की हितग्राही प्यारी चैहान ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे वर्ष 2014 से स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से छोटे-छोटे ऋण लेकर उन्होंने सिलाई कार्य शुरू किया, सिलाई मशीन खरीदी और धीरे-धीरे अपना छोटा व्यवसाय स्थापित किया। उन्होंने बताया कि 30 हजार रुपये का ऋण लेकर उन्होंने कार्य प्रारंभ किया,जिसमें से 25 हजार रुपये चुका चुकी हैं। वर्तमान में वे सिलाई कार्य से प्रतिमाह 4 से 5 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात और उनके साथ भोजन करने के अवसर को उन्होंने अपने जीवन का सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया। इसी प्रकार ग्राम कुनकुरीकला की पुष्पा पैंकरा ने बताया कि वे महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग कर सब्जी-भाजी का छोटा व्यवसाय संचालित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण एवं बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने की दिशा प्रदान कर रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शिव मंदिर जीर्णोद्धार व संत कबीर मंदिर निर्माण का किया भूमिपूजन

संत कबीरदास जी का समरसता,समानता और कर्म पर आधारित संदेश आज भी प्रासंगिक : अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर विकासखंड के ग्राम अंधला में शिव मंदिर के जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण हेतु आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की निरंतर प्रगति, खुशहाली और जन-जन की उन्नति की कामना करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास न केवल आस्था को सुदृढ़ करता है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का संचार भी करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मंत्री श्री अग्रवाल ने ग्राम अंधला में संत कबीर दास जी के मंदिर निर्माण हेतु आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में भी सहभागिता की और उनके जीवन-दर्शन को नमन किया। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास जी का समरसता, समानता और कर्म पर आधारित संदेश आज भी अत्यंत प्रासंगिक है और समाज को जोड़ने का कार्य करता है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि कबीरदास जी की वाणी जनचेतना की वह अविरल धारा है, जो हमें भेदभाव से ऊपर उठकर एक सद्भावपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्रों का निर्माण समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला।

अवैध सेमल लकड़ी पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, ट्रक व हाइड्रा मशीन जप्त

2.50 लाख की लकड़ी और 15 लाख की मशीन जब्त,वन माफियाओं में हड़कंप,चालक मौके से फरार

-संवाददाता-
राजपुर/बलरामपुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में वन विभाग द्वारा अवैध कटाई और परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के पदस्थापन के बाद से वन माफिया, रेत माफिया और वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई देखने को मिल रही है। इसी क्रम में राजपुर वन विभाग ने रविवार शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से लोड की जा रही सेमल की लकड़ी के साथ एक हाइड्रा मशीन को जप्त किया है। वन विभाग की टीम ने मौके से 26 नग सेमल की लकड़ी (कुल 13.883 घन मीटर) जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये आंकी गई है। वहीं, जप्त हाइड्रा मशीन की कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई : जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 7 बजे मुखबिर ने राजपुर वन परिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा को सूचना दी कि ग्राम घोरगड़ी में एक ट्रक में हाइड्रा मशीन के जरिए सेमल की लकड़ी लोड की जा रही है। सूचना मिलते ही परिक्षेत्राधिकारी ने उच्च अधिकारियों–वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी और उप वन मंडलाधिकारी आरएसएल श्रीवास्तव–को अवगत कराया। निर्देश मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर हाइड्रा मशीन व लकड़ी को जब्त कर लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जब्त ट्रक शंकरगढ़ क्षेत्र का बताया जा रहा है।

कानूनी कार्रवाई शुरू

वन विभाग ने ट्रक चालक इजहार अंसारी (पिता मुस्ताक अंसारी) के खिलाफ छत्तीसगढ़ वन अधिनियम (वनोपज) नियम 2001 की धारा 3(क), 16 व 22, मध्यप्रदेश वन उपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 तथा भू-राजस्व संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

इनका रहा योगदान

इस कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी अजय वर्मा के साथ अशोक शुक्ला, पुनीत सिंह, मालती मांझी, राजेश कुमार,झगरू राम,भोला राम,राजस्व विभाग एवं राजपुर पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा।

वन माफियाओं में मचा हड़कंप

लगातार हो रही सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में वन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अवैध कटाई और परिवहन के मामलों में आगे भी इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर अम्बिकापुर में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया 01 जून से होगी प्रारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर अम्बिकापुर मे वर्ष 2026-27 हेतु 13 रिक्त सीटों के लिए आवेदन की प्रक्रिया 01 जून से प्रारंभ होगी। प्रवेश पंजीयन फार्म कन्या क्रीड़ा परिसर छात्रावास अम्बिकापुर में 01 जून से 18 जून 2026 तक कार्यालयीन अवधी में प्राप्त कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उतीर्ण कक्षा की अंकसूची, जाति प्रमाणपत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति,पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है। पंजीकृत मिडिल स्कूल की छात्राएं 24 जून एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल की छात्राएं 25 जून को कन्या क्रीड़ा परिसर अम्बिकापुर में उपस्थित होंगे।

न्यायालय,अपर कलेक्टर,अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

/ / ईस्तहार / सूचना पत्र / /

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 202503021000005/09/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के अपील प्रकरण कमांक 201703021000018/34/अ-6/2022-23 में अपीलार्थी/ आवेदक अजय कुमार गुप्ता आ0 स्व0 रामधन गुप्ता जाति केशरवानी, निवासी देवीगंज रोड़, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत् न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अम्बिकापुर के राजस्व प्रकरण क्रमांक 185 / अ- 6 / 2015-16 आदेश दिनांक 27.06.2016 के विरूद्ध इस न्यायालय में अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें अनावेदक 1. विजय कुमार गुप्ता आ0 रामधन गुप्ता निवासी विश्वास अधिवक्ता नोटरी के घर के बगल में फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0, 2. संजय कुमार गुप्ता आ0 स्व0 रामधन गुप्ता, निवासी बाबरा गैरेज के पीछे, नमनाकला, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 3. इन्दु गुप्ता पत्नी कमलेश गुप्ता निवासी ग्राम बलंगी, तहसील वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर छ0ग0, 4. कुसुम गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश, निवासी रामानुजगंज, जय स्तंभ चौक जिला बलरामपुर छ0ग0, 5. सरजू गुप्ता आ0 रामधन गुप्ता निवासी देवीगंज रोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 6. अ- महेन्द्र गुप्ता आ0 जमुना प्रसाद एवं 6. ब- राजेन्द्र गुप्ता आ0 जमुना प्रसाद निवासी ग्राम संगम चौक नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0, 7.भैयालाल सोनी आ0 स्व0 लालचंद सोनी,8.हीरालाल सोनी आ0 स्व0 लालचंद सोनी,9. जवाहर सोनी आ0 लालचंद सोनी निवासी सदर रोड,अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 को अनावेदक पक्षकार बनाया गया है। जिसमें इनकी उपस्थिति अनिवार्य है।

उक्त अपील प्रकरण की अगामी सूनवाई तिथि दिनांक 11/05/2026 को निर्धारित की गई है।

निर्धारित तिथि को आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हो कर अपना पक्ष प्रकरण में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित सुनवाई तिथि के बाद इस प्रकरण में आपकी पक्ष सुनवाई का अवसर समाप्त कर दी जावेगी।

दिनांक 13/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

(सील)
अपर कलेक्टर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

ग्राम दरिमा में आदिवासी महिला किसान सम्मान समारोह आयोजित

ब्रह्माकुमारी बहनों ने श्रमिक दिवस व महिला किसान वर्ष के अवसर पर किया सम्मान,गमछा व श्रीफल भेंट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

ग्राम दरिमा में रविवार 3 मई 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में आदिवासी महिला किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा क्षेत्र की आदिवासी महिला किसानों एवं श्रमिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया तथा गमछा व श्रीफल भेंट कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महिला किसान समाज की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से ही कृषि व्यवस्था मजबूत होती है। समारोह के दौरान महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित महिलाओं ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

अवैध अतिक्रमण एवं तालाब के किनारे हो रहे नवीन अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने राजस्व अधिकारियों की तहसीलवार समीक्षा कर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता युक्त प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण एवं तालाब के किनारे हो रहे नवीन अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्रवाई करें एवं सीमांकन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि राजस्व अमला प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से निराकरण करना सुनिश्चित करें।

निजी स्कूलों की अवैध फीस वसूली के खिलाफ ज्ञापन

प्रवेश शुल्क को ट्यूशन फीस में समायोजित करने की मांग, जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

जिले के निजी एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा अवैध शुल्क वसूली के विरोध में युवा कांग्रेस आरटीआई सेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। आरटीआई सेल के अध्यक्ष हिमांशु जायसवाल ने बताया कि कई स्कूल अभिभावकों से प्रवेश शुल्क,विकास शुल्क और पंजीयन शुल्क के नाम पर अतिरिक्त राशि ले रहे हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत इस तरह का शुल्क लेना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद अधिकांश विद्यालय अलग-अलग नामों से फीस लेकर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। साथ ही,10 अप्रैल को जारी एक आदेश का हवाला देते हुए बताया गया कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भी इस प्रकार की वसूली को नियम विरुद्ध माना गया है और कार्रवाई प्रस्तावित है। हिमांशु जायसवाल ने कहा कि केवल स्कूलों पर जुर्माना लगाने से अभिभावकों को

सीधा लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए जिनसे शुल्क लिया गया है, उसे शिक्षण शुल्क में समायोजित किया जाना चाहिए। आरटीआई सेल ने मांग की कि सभी स्कूलों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी नाम से प्रवेश शुल्क लेने पर सख्त कार्रवाई हो सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान सुरेंद्र गुप्ता, गौतम गुप्ता,अभिषेक गुप्ता, वैभव पांडे, आयुष गुप्ता, सत्यम यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मै गुलाम जीलानी पिता स्व. आलम गिर आलम, निवासी वार्ड 39 मोमिनपुरा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 का हूं।

यह कि मेरे पुत्र के नाम पर जन्म प्रमाणपत्र जारी किया गया है जिसमें घरेलू पुकारू नाम - अजलान सिद्धिकी दर्ज कराए थे, चूंकि उसका सही नाम - मोहम्मद उमर (MOHAMMAD UMAR) है, जिसका जन्म तिथि 24-11-2025 है, उसका सही नाम मोहम्मद उमर उसके जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज कराना चाहता हूँ। अतः पुत्र का सही नाम- मोहम्मद उमर (MOHAMMAD UMAR) दर्ज कराए जाने हेतु उपर्युक्त के समर्थन में शपथपत्र प्रस्तुत है।

आवेदिका
गुलाम जीलानी
निवासी वार्ड 39 मोमिनपुरा
अम्बिकापुर,जिला सरगुजा छ0ग0

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार आ0/पति ओमप्रकाश अग्रवाल जाति निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - ब्रम्ह रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3109/1, 3109/2 रकबा 0.01, $0.02^{3/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 28/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 20/5/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था/ विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक कन्हैयालाल गुप्ता आ0 स्व. मदनलाल गुप्ता, उम्र लगभग 70 वर्ष निवासी मनेन्द्रगढ रोड सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2129/4 रकबा क्रमशः 1080 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 20/5/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील)
नजूल अधिकारी
सूरजपुर

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)
जोनल कार्यालय, कोरिया
कलेक्ट्रेट रोड, शक्ति सदन के नीचे, छिन्दडाड, बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)
ई-मेल:- credakoria@rediffmail.com, credakoriyamcb@gmail.com

CREDA
Azadi ka Amrit Mahotsav

क्रं/254/क्रेडा/कोरिया/2026-27 बैकुण्ठपुर, दिनांक :- 04/05/2026

''सेवाकर्ता इकाईयों से रूचि की अभिव्यक्ति''

क्रेडा जोनल कार्यालय,कोरिया अंतर्गत,जिला कोरिया,मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी-भरतपुर एवं सूरजपुर हेतु क्रेडा द्वारा स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों यथा सोलर डयूल पंप, सोलर पेयजल पंप सोलर हाई मास्ट एवं अन्य संयंत्रों के संचालन, संधारण, रखरखाव तथा सौर सुजला योजनांतर्गत स्थापित सोलर सिचाई पंपों एवं सोलर होम लाइट संयंत्रों के मॉनिटरिंग कार्य हेतु परियोजना आवश्यकता की अवधि तक वार्षिक अनुबंध के आधार पर सेवाकर्ता इकाइयों से रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) अंतर्गत आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

क्रमांक	जिला का नाम	समस्त सौर ऊर्जा संयंत्रों था सोलर ड्यूल पंप, सोलर पेयजल पंप सोलर हाई मास्ट एवं अन्य संयंत्रों के संधारण एवं रखरखाव तथा सौर सुजला योजना अंतर्गत स्थापित सोलर सिंचाई पंपों तथा सोलर होम लाईट संयंत्रों के मॉनिटरिंग कार्य हेतु सेवाकर्ता इकाई की संख्या	योग
1	कोरिया	11	11
2	मनेन्द्रगढ–चिरमिरी–भरतपुर	09	09
3	सूरजपुर	35	35
	कुल		55

सेवाकर्ता इकाई हेतु निर्धारित योग्यता :-

◆ केवल इकाई/सेवाकर्ता इकाई ही आवेदन हेतु पात्र होगी। व्यक्तिगत आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

◆ सेवाकर्ता इकाई से आशय आवश्यक तकनीकी मानव संसाधन युक्त सक्षम इकाई से है। जिसमें न्यूनतम एक कुशल तकनीशियन तथा एक सहायक (हेल्पर) उपलब्ध होना आवश्यक होगा।

◆ कुशल तकनीशियन के पास किसी मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था / संस्थान से इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, प्लम्बर, फिटर, सोलर तकनीशियन अथवा समकक्ष ट्रेड में औद्योगिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र धारित होना आवश्यक होगा।

अनुभव:- सोलर पावर प्लांट एवं उससे संबंधित पी. डी. एन. के संचालन, संधारण एवं रखरखाव कार्य का अनुभव अथवा सोलर बधूल पंप सोलर पंपों तथा पाइप लाइन के संधारण एवं रखरखाव कार्य का अनुभव रखने वाले आवेदक को वरीयता दी जावेगी। संबंधित विकासखण्ड अथवा संबंधित क्लस्टर क्षेत्र का स्थानीय निवासी होने पर अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे।

अन्य शर्ते व जानकारियां:-

◆ आवेदक इकाई द्वारा नियोजित आवश्यक कार्मिकों का स्थानीय क्षेत्र की जानकारी होना वांछनीय होगा। आवेदक इकाई के पास संचालन, संधारण एवं रखरखाव कार्य हेतु स्वयं का मोटर सायकल उपलब्ध होना तथा संबंधित चालक / कार्मिक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य होगा।

◆ रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) अंतर्गत आवेदन पत्र तथा नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी, आवेदन प्रपत्र शुल्क राशि रुपये 100/- जमा कर दिनांक 06-05-2026 से 20-05-2026 तक कार्यालयीन समय में जोनल कार्यालय, कोरिया से प्राप्त की जा सकेगी।

◆ निर्धारित प्रारूप में पूर्ण आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 26-05-2026 सायं 05:00 बजे तक जोनल कार्यालय, कोरिया में होगी।

◆ किसी भी आवेदन पत्र अथवा ई. ओ. आई. आमंत्रण को पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से स्वीकार / अस्वीकार करने तथा सेवाकर्ता इकाईयों की संख्या में परिवर्तन का अधिकार क्रेडा के पास सुरक्षित रहेगा।

◆ प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रमाण पत्र सत्यापन एवं दस्तावेजी परीक्षण दिनांक 28-05-2026 को प्रातः 11:00 बजे से क्रेडा जोनल कार्यालय, कोरिया में किया जायेगा।

◆चयनित इकाई अथवा उसके द्वारा नियोजित कोई भी तकनीशियन, हेल्पर, ऑपरेटर अथवा अन्य कार्मिक किसी भी स्थिति में क्रेडा का कर्मचारी नहीं माना जायेगा निष्पादित अनुबंध केवल निर्धारित कार्यों के निष्पादन हेतु होगा तथा उससे किसी प्रकार का सेवा संबंध निर्मित नहीं होगा। शेष नियम एवं शर्तें ई. ओ.आई. नियमावली में उल्लिखित रहेंगी।

यह सूचना किसी पद पर नियुक्ति हेतु नहीं है,अपितु सेवाकर्ता इकाई के चयन हेतु है।

दिनांक :- 04/05/2026
कार्यपालन अभियंता
क्रेडा,जोनल कार्यालय,कोरिया (छ.ग.)

CMYK

सट्टा पर सख्ती या सतही कार्रवाई?

प्रेस विज्ञप्ति की भाषा और वास्तविकता का अंतर

प्रेस विज्ञप्ति में प्रयुक्त भाषा–जैसे बड़ी कार्रवाई, सख्त अभियान, लगातार कार्यवाही–एक सशक्त छवि प्रस्तुत करती है,लेकिन जब इन दावों की तुलना वास्तविक तथ्यों से की जाती है, तो यह अंतर स्पष्ट दिखाई देता है, यह अंतर ही वह स्थान है जहां से संदेह उत्पन्न होता है और जांच की आवश्यकता महसूस होती है।

व्यंग्यात्मक परिप्रेक्ष्य में समस्या बड़ी,समाधान छोटा है...

यदि इस पूरे घटनाक्रम को व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह स्थिति कुछ इस प्रकार प्रतीत होती है एक बड़े और जटिल नेटवर्क के सामने एक सीमित कार्रवाई को प्रस्तुत कर दिया गया, और उसे बड़ी सफलता घोषित कर दिया गया, यह ऐसा ही है जैसे किसी विशाल समस्या के केवल एक छोटे हिस्से को संबोधित कर यह मान लिया जाए कि पूरी समस्या समाप्त हो गई।

जनता की अपेक्षा और प्रशासन की जिम्मेदारी

इस प्रकार की कार्रवाइयों के बाद जनता की अपेक्षा होती है कि अवैध गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो, नेटवर्क के सभी स्तरों पर कार्रवाई हो और कानून का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे, यदि यह अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो विश्वास में कमी आना स्वाभाविक है।

कार्रवाई हुई,लेकिन कहानी अधूरी है...

मनेंद्रगढ़ में 13 अप्रैल को हुई सट्टा विरोधी कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम जरूर है, लेकिन इसे अंतिम या निर्णायक नहीं कहा जा सकता,जब तक नेटवर्क की पूरी संरचना उजागर नहीं होती,डिजिटल और साइबर जांच नहीं की जाती और बड़े संचालकों तक कार्रवाई नहीं पहुंचती तब तक यह मामला अधूरा ही रहेगा,यह खबर केवल एक कार्रवाई का विवरण नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि अभी और गहराई में जाकर सच्चाई को सामने लाने की आवश्यकता है,क्योंकि असली सवाल अब भी वही है–क्या यह कार्रवाई अंत है,या सिर्फ शुरुआत?

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,04 मई 2026
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ में अवैध सट्टा के खिलाफ पुलिस द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति पहली नजर में एक मजबूत और प्रभावशाली कार्रवाई का चित्र प्रस्तुत करती है, तीन आरोपियों की गिरफ्तारी, सट्टा पट्टियों और नगदी की जब्ती, और उच्च अधिकारियों के निर्देशन में चल रहे अभियान का उल्लेख ये सभी बातें मिलकर एक सक्रिय पुलिसिंग का संदेश देती हैं,लेकिन जब इस कार्रवाई को गहराई से समझने की कोशिश की जाती है,तो तस्वीर उतनी सीधी और संतोषजनक नहीं दिखाई देती,सवाल यह नहीं है कि कार्रवाई हुई या नहीं,बल्कि यह है कि क्या यह कार्रवाई उस स्तर की थी,जिसकी अपेक्षा एक संगठित सट्टा नेटवर्क के मामले में की जाती है? यही वह बिंदु है जहां से यह पूरी खबर केवल सूचना नहीं रह जाती, बल्कि एक विस्तृत जांच और विश्लेषण का विषय बन जाती है।

कार्रवाई का आधिकारिक विवरण के अनुसार गिरफ्तारी,जब्ती और कानूनी प्रक्रिया

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति सट्टा पट्टी काट रहे हैं,सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और तीन आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, गिरफ्तार व्यक्तियों में रवि जायसवाल,अशोक बैसवाल और मोहम्मद खलील शामिल हैं,जो अलग-अलग इलाकों से जुड़े बताए गए हैं, पुलिस ने इनके कब्जे से सट्टा पर्चियां और नगदी राशि जब्त करने की बात कही है, इसके बाद आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6(क) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, इस पूरी प्रक्रिया में जो भाषा और विवरण प्रस्तुत किया गया है,वह एक सामान्य और मानक पुलिस कार्रवाई का प्रतीक है, लेकिन यहीं से सवाल उठने शुरू होते हैं।

सबसे पहला और अहम सवाल

क्या पकड़े गए सटोरियों से पूरे नेटवर्क की जानकारी निकालने की कोशिश हुई भी या नहीं?-किसी भी जुआ या सट्टा कार्रवाई का उद्देश्य केवल मौके पर बैठे लोगों को पकड़ना नहीं होता, बल्कि उनके माध्यम से पूरे नेटवर्क तक पहुंच बनाना होता है, लेकिन इस मामले में अब तक जो जानकारी सामने आई है,उससे ऐसा प्रतीत होता है कि कार्रवाई जड़ तक पहुंचने के बजाय पत्तों तक ही सीमित रह गई।

दूसरा बड़ा सवाल

गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल क्यों जब्त नहीं किए गए?-आज के दौर में सट्टा और जुआ पूरी तरह मोबाइल और नेटवर्क आधारित हो चुका है, कॉल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप चैट,लोकेशन डेटा–ये सभी किसी भी बड़े नेटवर्क को पकड़ने की कुंजी होते हैं, फिर ऐसा क्या कारण था कि आरोपियों के पास से मोबाइल जब्त करने की जरूरत नहीं समझी गई? क्या यह चूक थी, या फिर जांच को सीमित रखने का एक सुविधाजनक तरीका?

तीसरा और सबसे चौंकाने वाला पहलू

जब टीम में साइबर सेल की मौजूदगी थी,तो साइबर दृष्टिकोण से जांच क्यों नहीं की गई?-साइबर सेल की भूमिका सिर्फ टीम का हिस्सा बनने तक सीमित नहीं होती, बल्कि डिजिटल साक्ष्यों के माध्यम से नेटवर्क की गहराई तक पहुंचना उसकी जिम्मेदारी होती है, लेकिन यहां सवाल उठता है कि क्या साइबर सेल को केवल नाम मात्र के लिए शामिल किया गया? या फिर जानबूझकर डिजिटल जांच को नजरअंदाज किया गया? अगर साइबर एंगल से जांच होती, तो संभव है कि बड़े सटोरियों तक लिंक मिलते नेटवर्क के अन्य सदस्य सामने आते और पूरे गिरोह का खुलासा हो सकता था,लेकिन फिलहाल जो स्थिति है,उसमें ऐसा लगता है कि कार्रवाई को एक निश्चित दायरे में ही रोक दिया गया,इन तमाम सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि यह कार्रवाई वास्तव में कितनी गंभीर थी और कितनी दिखावटी। अगले अंक में हम इन सभी बिंदुओं पर तथ्यों और सूत्रों के आधार पर विस्तृत पड़ताल करेंगे–ताकि यह साफ हो सके कि मनेंद्रगढ़ में सट्टे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में लड़ी जा रही है या सिर्फ दिखाई जा रही है।

सट्टा नेटवर्क की प्रकृति में सवाल है क्या तीन लोग ही पूरा खेल थे?

सट्टा एक ऐसा अवैध कारोबार है जो शायद ही कभी सीमित दायरे में चलता हो,यह एक नेटवर्क आधारित गतिविधि होती है, जिसमें कई स्तरों पर लोग जुड़े होते हैं,स्थानीय स्तर पर पर्ची काटने वाले व्यक्ति केवल इस नेटवर्क की सबसे निचली कड़ी होते हैं,इनके ऊपर कलेक्टर,संचालक और वित्तीय नियंत्रण करने वाले लोग होते हैं,जो इस पूरे तंत्र को संचालित करते हैं,ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या तीन लोगों की गिरफ्तारी से इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हो गया? अगर नहीं, तो क्या इन आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कड़ियों तक पहुंच बनाई गई? क्या इनके माध्यम से किसी बड़े संचालक या संगठित गिरोह का पता चला? इन सवालों के जवाब सामने नहीं आना इस बात की ओर संकेत करता है कि कार्रवाई का दायरा सीमित रहा।

जब्ती और साक्ष्य में क्या जांच आधी रह गई?

प्रेस विज्ञप्ति में सट्टा पट्टी और नगदी जब्त करने का उल्लेख किया गया है। यह निश्चित रूप से एक आवश्यक कदम है,लेकिन आज के समय में यह पर्याप्त नहीं माना जा सकता, सट्टा अब पारंपरिक तरीके से आगे बढ़ चुका है और यह पूरी तरह डिजिटल और संचार माध्यमों पर आधारित हो चुका है,मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड,मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इस नेटवर्क के मुख्य साधन बन चुके हैं,ऐसे में यदि केवल पर्चियां और नगदी जब्त की गई और डिजिटल साक्ष्यों की जांच नहीं की गई, तो यह जांच अधूरी मानी जाएगी, यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त किए गए? यदि नहीं, तो क्यों? और यदि किए गए,तो उनका विश्लेषण क्या दर्शाता है? इन प्रश्नों के उत्तर ही यह तय करेंगे कि जांच कितनी गंभीर थी।

साइबर दृष्टिकोण की अनुपस्थिति की एक बड़ी कमी

आधुनिक अपराधों की जांच में साइबर विश्लेषण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सट्टा और जुआ जैसे मामलों में तो यह और भी आवश्यक हो जाता है,क्योंकि पूरा नेटवर्क संचार और डिजिटल संपर्कों पर आधारित होता है,लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई में साइबर दृष्टिकोण का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है, यह स्थिति यह संकेत देती है कि या तो साइबर जांच को प्राथमिकता नहीं दी गई,या फिर उसे आवश्यक नहीं समझा गया,यदि साइबर एंगल से जांच की जाती,तो संभव था कि–नेटवर्क के अन्य सदस्य सामने आते,बड़े संचालकों तक पहुंच बनती और इस अवैध गतिविधि का व्यापक खुलासा होता इस कमी के कारण कार्रवाई का प्रभाव सीमित रह गया।

कार्रवाई के बाद की दिशा में विस्तार या विराम?

तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद किसी भी गंभीर जांच का अगला चरण होता है नेटवर्क का विस्तार खोजना और उसे तोड़ना,लेकिन इस मामले में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या अन्य स्थानों पर दबिश दी गई? क्या अन्य संदिग्धों की पहचान की गई? क्या नेटवर्क को आगे बढ़कर तोड़ा गया? यदि कार्रवाई केवल गिरफ्तारी तक सीमित रही,तो यह एक प्रारंभिक कदम से आगे नहीं बढ़ पाई।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदेशव्यापी उबाल,मनेंद्रगढ़ से सूरजपुर तक सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता...गैस-पेट्रोल कीमतों पर घेरा केंद्र

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का उबाल, मनेंद्रगढ़ से सूरजपुर तक सड़कों पर प्रदर्शन

993 गैस वृद्धि पर भड़का आक्रोश,एमसीबी और सूरजपुर में कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन

महंगाई पर संग्राम, पेट्रोल-डीजल से गैस तक बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर...

कमर्शियल गैस के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का जोरदार विरोध

गैस 3000 पार,जनता परेशान, कांग्रेस ने सड़कों पर उतारकर जताया आक्रोश

-संवाददाता-
एमसीबी/सूरजपुर, 04 मई 2026
(घटती-घटना)।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) और सूरजपुर जिलों में कांग्रेस का आक्रोश सड़कों पर खुलकर सामने आया, कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर दोनों जिलों में अलग-अलग स्थानों पर जोरदार प्रदर्शन किए गए, जिसमें कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और खासकर कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी वृद्धि को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार को घेरा, इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही, जिससे यह आंदोलन व्यापक जनभागीदारी का रूप लेता नजर आया। मनेंद्रगढ़ और सूरजपुर में हुए ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि महंगाई का मुद्दा अब जनआक्रोश का रूप लेता जा रहा है, कांग्रेस ने इसे जनता की लड़ाई बताते हुए सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति स्पष्ट कर दी है, आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज हो सकता है, जिससे प्रदेश की राजनीति में भी हलचल बढ़ने की संभावना है।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी-

कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि केंद्र सरकार ने महंगाई पर जल्द नियंत्रण नहीं किया, तो यह आंदोलन और उग्र होगा, उन्होंने कहा कि पार्टी आम जनता के हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

मनेंद्रगढ़ में पीडब्ल्यूडी चौक पर गरजा विरोध - मनेंद्रगढ़ में जिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी चौक पर महिला कांग्रेस के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की,नेताओं ने आरोप लगाया कि पेट्रोल,डीजल,रसोई गैस और खाद्य सामग्री के दाम लगातार बढ़ने से आम जनता का जीवन मुश्किल हो गया है,पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई पर नियंत्रण करने में सरकार पूरी तरह विफल रही है और कांग्रेस जनता के हक के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी,कांग्रेस नेत्री पूनम सिंह और महिला जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) निर्मला चतुर्वेदी ने कहा कि बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और घर के बजट पर पड़ रहा है। वहीं शहरी जिला अध्यक्ष रूमा चटर्जी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सूरजपुर में गैस सिलेंडर कीमतों पर फूटा गुस्सा

सूरजपुर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 की भारी वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने आक्रामक प्रदर्शन किया,अग्रसेन चौक पर आयोजित इस विरोध में कार्यकर्ताओं ने खाली सिलेंडर रखकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला दहन किया, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 3,000 के पार पहुंच जाना छोटे व्यापारियों और आम लोगों पर दोहरी मार है। इससे होटल,ढाबा,कैटरिंग और छोटे व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित होंगे,जिसका असर सीधे आम जनता की जेब पर पड़ेगा,जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ाना सरकार की नीति बन चुकी है, उन्होंने इसे आर्थिक कुप्रबंधन का उदाहरण बताते हुए तत्काल मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की।

महंगाई से त्रस्त जनता,सड़कों पर कांग्रेस

दोनों जिलों में नेताओं ने एक सुर में कहा कि महंगाई ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है,रसोई का बजट बिगड़ चुका है और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना कठिन होता जा रहा है, कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को बुलंद करने का प्रयास है।

खाली सिलेंडर और तख्तियों के जरिए प्रतीकात्मक विरोध

मनेंद्रगढ़ में जहां तख्तियां और नारेबाजी प्रदर्शन का केंद्र रही,वहीं सूरजपुर में खाली गैस सिलेंडर रखकर विरोध जताया गया,दोनों जगहों पर कार्यकर्ताओं ने महंगाई के खिलाफ अपने गुस्से को अलग-अलग तरीकों से जाहिर किया।

बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ता

दोनों जिलों में आयोजित प्रदर्शनों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भारी भागीदारी रही, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति ने आंदोलन को व्यापक स्वरूप दिया।

कोरिया में प्रचंड विजय का जश्न

सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब,गूंजे विकास और राष्ट्रवाद के नारे

- » ऐतिहासिक जीत पर झूमा कोरिया,घड़ी चौक से गांव-गांव तक जश्न का माहौल
- » जनता के विश्वास की जीत,कोरिया में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता पर भव्य उत्सव
- » घड़ी चौक बना जश्न का केंद्र,कोरिया में प्रचंड विजय पर उमड़ा जनसैलाब
- » बंगाल से कोरिया तक जश्न,भाजपा की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह
- » प्रचंड जनादेश के बाद जश्न में डूबा कोरिया,हर ओर गूंजे जयघोष

-संवाददाता-
कोरिया,04 मई 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय के बाद पूरे कोरिया जिले में अभूतपूर्व उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला,बैकुण्ठपुर के घड़ी चौक से लेकर शिवपुर-चरचा,सोनहत और पटना तक कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी की चमक और मिठाइयों की मिठास के बीच यह उत्सव केवल राजनीतिक विजय तक सीमित नहीं रहा,बल्कि इसे राष्ट्रवाद,सनातन संस्कृति और विकास के प्रति जनता के भरोसे की जीत के रूप में देखा गया। कोरिया जिले में मनाया गया यह विजय उत्सव केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभावनाओं का उत्सव बन गया,हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर कार्यकर्ता की भागीदारी ने इसे ऐतिहासिक बना दिया,यह जीत जहां एक ओर संगठन की मजबूती का प्रमाण है,वहीं दूसरी ओर यह संदेश भी देती है कि देश की जनता विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के साथ खड़ी है।

जनता के विश्वास और सुशासन की जीत : देवेन्द्र तिवारी

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने इस ऐतिहासिक जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनादेश देश की जनता के विश्वास और सुशासन की जीत है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताया, उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम,जनसंपर्क और संगठनात्मक मजबूती ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सनातन,राष्ट्रवाद और विकास के पक्ष में माहौल : कृष्णबिहारी जायसवाल

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि देशभर में सनातन संस्कृति,राष्ट्रवाद और विकास के पक्ष में सकारात्मक माहौल बना है,उन्होंने विश्वास जताया कि जहां-जहां भाजपा को जनादेश मिला है,वहां विकास का नया इतिहास रचा जाएगा, उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास देश को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहा है।

बैकुण्ठपुर : घड़ी चौक बना उत्सव का केंद्र

जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के घड़ी चौक पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। तेज धूप के बावजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। पार्टी के झंडों और नारों के बीच पूरा क्षेत्र मोदी है तो मुमकिन है और भारत माता की जय के उद्घोष से गूंज उठा, कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और इस जीत को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर जनता की मुहर बताया, इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल, ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शैलेष शिवहरे, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जीवनानी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

शिवपुर-चरचा : ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी से गूंजा शहर

नगर पालिका शिवपुर-चरचा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरीके से जीत का जश्न मनाया, ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता झूमते नजर आए,वहीं आतिशबाजी ने पूरे माहौल को उत्सवी बना दिया,यहां कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल,असम और पुडुचेरी में मिली सफलता को संगठन की मजबूती और जनविश्वास का परिणाम बताया,कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,जिला मंत्री प्रदीप तिवारी,नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल, मंडल अध्यक्ष दीपा विश्वकर्मा,पूर्व नपाध्यक्ष कुन्ती चक्रधारी,भाजयुमो जिला महामंत्री साक्षी सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनहत : पटाखों की गूंज और मिठास से भरा माहौल

सोनहत विकासखंड मुख्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया,यहां आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण के साथ जीत की खुशी व्यक्त की गई,मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य एवं जिला मंत्री शिव कुमारी, मनोज साहू,बालकृष्ण देवांगन,दिलीप यादव,अनिल जायसवाल,भुवन साहू,सुमित राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इस आयोजन में शामिल हुए।

पटना नगर पंचायत : मिष्ठान वितरण के साथ उत्सव

नगर पंचायत पटना में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। यहां कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की, कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता रविशंकर शर्मा, मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव,नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, किसान मोर्चा प्रदेश संयोजक विनोद साहू,उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, जिला मीडिया सह प्रभारी वर्षा साहू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं का जोश बना जीत की असली ताकत

इस पूरे आयोजन में सबसे खास बात कार्यकर्ताओं का जोश और समर्पण रहा, चाहे तेज धूप हो या भीड़, हर कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ जश्न में शामिल हुआ, यह स्पष्ट रूप से दिखा कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक काम करने वाले कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

जीत से बढ़ी विकास की उम्मीदें...

इस ऐतिहासिक जीत के बाद आम जनता में भी विकास को लेकर नई उम्मीदें जागी हैं,लोगों को विश्वास है कि आने वाले समय में क्षेत्र और देश दोनों स्तर पर विकास की गति और तेज होगी।

कोरिया पैलेस से जुड़े महिपाल सिंह राणावत बने ज्ञास के राजस्थान उपाध्यक्ष

-संवाददाता-
कोरिया,04 मई 2026 (घटती-घटना)।
राजस्थान की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले युवा चेहरे महिपाल सिंह राणावत को राष्ट्रीय हिन्दू संगठन का राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति न केवल संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, बल्कि इसे युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के रूप में भी देखा जा रहा है, राणावत की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि उनका संबंध छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक कोरिया राजपरिवार से भी जुड़ा हुआ है, जिससे इस खबर की गूंज राजस्थान के साथ-साथ बैकुंठपुर (कोरिया) और आसपास के क्षेत्रों में भी सुनाई दे रही है।

संगठन ने जताया भरोसा,युवा नेतृत्व को मिला मंच-राष्ट्रीय हिन्दू संगठन के केंद्रीय नेतृत्व ने महिपाल सिंह राणावत की सक्रियता, सामाजिक कार्यों में उनकी भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है,संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र दुबे सत्या और राजस्थान प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि राणावत संगठन की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे,इस नियुक्ति को संगठन के भीतर नई ऊर्जा और उत्साह के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि युवा नेतृत्व अक्सर संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करता है।

आभार और जिम्मेदारी का संकल्प- नई जिम्मेदारी मिलने के बाद महिपाल सिंह राणावत ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए केवल एक सम्मान नहीं,बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है,उन्होंने स्पष्ट किया कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे,राणावत ने कहा कि उन्हें इस मंच के माध्यम से समाज सेवा और राष्ट्रहित में कार्य करने का अवसर मिला है, जिसे वे पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे।

महान विभूतियों से प्रेरित कार्यशैली- अपने विचार व्यक्त करते हुए राणावत ने बताया कि वे स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप और सुभाष चंद्र बोस जैसे महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेते हैं, उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों के विचार उन्हें राष्ट्र सेवा,त्याग और संघर्ष के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। राणावत का मानना है कि आज के युवाओं को इन आदर्शों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

संतों के मार्गदर्शन और पारिवारिक परंपरा का प्रभाव- महिपाल सिंह राणावत ने अपने जीवन में संत-महात्माओं के मार्गदर्शन को विशेष महत्व दिया है,उनका कहना है कि उन्हें समय-समय पर संतों का आशीर्वाद और दिशा-निर्देश मिलता रहा है, जो उनके कार्यों को सकारात्मक दिशा देता है,उन्होंने अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए बताया कि उनके पिता डॉ तखत सिंह राणावत और परिवार के अन्य सदस्य लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय रहे हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने यह जिम्मेदारी स्वीकार की है।

प्राथमिकताएं : महिला सशक्तिकरण और युवा निर्माण- राणावत ने अपनी कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता महिलाओं को सशक्त बनाना और युवाओं को संस्कारित करना होगी,उन्होंने बताया कि 'वीरांगना सेल' के माध्यम से प्रदेश की बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे,जिससे वे आत्मनिर्भर और सुरक्षित बन सकें, 'संस्कारशाला' और 'संयम' प्रकल्पों के जरिए युवाओं को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना से जोड़ा जाएगा, उनका मानना है कि यदि युवाओं को सही दिशा और संस्कार मिल जाएं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः संभव है।

कोरिया राजपरिवार से संबंध बना चर्चा का केंद्र-महिपाल सिंह राणावत का संबंध छत्तीसगढ़ के कोरिया राजपरिवार से जुड़ा होना इस नियुक्ति को और भी खास बनाता है,उनका विवाह अनुराधा सिंह देव राणावत से हुआ है, जो महाराजा शिवमंगल सिंह देव की प्रपौत्री और महाराज लाल हरिशरण सिंह देव की सुपौत्री हैं,इस रिश्ते के कारण राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बीच एक सांस्कृतिक सेतु भी स्थापित होता दिखाई दे रहा है। बैकुंठपुर और कोरिया क्षेत्र में इस खबर के बाद विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

विभिन्न क्षेत्रों से मिल रही शुभकामनाएं-राणावत की इस नियुक्ति पर सामाजिक संगठनों,राजपरिवार से जुड़े लोगों और आम नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है, लोगों ने विश्वास जताया है कि वे अपने पद का उपयोग समाज के हित में करेंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे,सोशल और सामाजिक दोनों स्तरों पर यह खबर तेजी से चर्चा में है, और इसे एक सकारात्मक बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

युवा नेतृत्व से नई उम्मीदें-महिपाल सिंह राणावत की नियुक्ति यह दर्शाती है कि आज के समय में संगठनों में युवाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं,उनका सामाजिक अनुभव,पारिवारिक पृष्ठभूमि और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है,अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वे अपनी योजनाओं को किस प्रकार जमीन पर उतारते हैं और संगठन को किस दिशा में आगे बढ़ाते हैं। फिलहाल,उनकी नियुक्ति ने राजस्थान से लेकर छत्तीसगढ़ तक एक सकारात्मक संदेश जरूर दिया है कि युवा नेतृत्व ही भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है।

कलेक्टर कोरिया की पहल पर पांडुलिपियों को मिल रहा डिजिटल कवच

विरासत का संरक्षण,भविष्य का अर्पण...कोरिया के इतिहास को सहेजने का प्रशासनिक महायज्ञ

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,04 मई 2026 (घटती-घटना)।
इतिहास केवल किताबों में नहीं होता, वह उन जर्जर पन्नों और स्याही में भी होता है जो किसी पुराने संदूक या मंदिर के कोने में सहेज कर रखे गए हों, कोरिया जिले की इसी छिपी हुई ज्ञान विरासत को दुनिया के सामने लाने के लिए कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने एक ऐसी मुहिम छेड़ी है, जिसकी गूँज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है,'ज्ञान भारतम राष्टीय पांडुलिपि सर्वेक्षण' के माध्यम से जिले के इतिहास को डिजिटल कवच पहनाया जा रहा है।

एक संवेदनशील प्रशासनिक सोच की जीत

अक्सर प्रशासन का ध्यान सड़कों और इमारतों तक सीमित रहता है, लेकिन कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कोरिया की सांस्कृतिक आत्मा को सहेजने का बीड़ा उठाया है,उनकी इस सक्रियता का परिणाम है कि जिले में अब तक सैकड़ो अनमोल पांडुलिपियों की पहचान की जा चुकी है, यह केवल कागजों का ढेर नहीं,बल्कि 1948 के पूर्व के भारत की सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

काल के गाल से सुरक्षित होगी अनमोल विरासत

कलेक्टर की इस दूरदर्शी सोच का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जो हस्तलिखित दस्तावेज रख-रखाव के अभाव में नष्ट हो रहे थे,उन्हें अब डिजिटल जीवनदान मिल गया है। सैकड़ो पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण पूरा होना इस बात का सबूत है कि हमारी प्राचीन लिपियाँ और ज्ञान अब अनंत काल के लिए सुरक्षित हो चुके हैं।

शोध की दुनिया में चमकेगा कोरिया का नाम

इन पांडुलिपियों में प्राचीन सनातनी मंत्रों से लेकर रियासतकालीन निमंत्रण पत्र और प्रशासनिक दस्तावेज शामिल हैं,यह सामग्री भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए स्वर्ण भंडार साबित होगी,कलेक्टर की यह पहल कोरिया को इतिहास और पुरातत्व के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

जन-भागीदारी और विश्वास का नया मॉडल

आमतौर पर लोग अपनी पुरानी वस्तुएं प्रशासन को देने से कतराते हैं, लेकिन कलेक्टर ने स्वामित्व की सुरक्षा का भरोसा देकर जन-विश्वास जीता है, उन्होंने स्पष्ट किया है कि मूल प्रति मालिक के पास ही रहेगी, केवल उसकी डिजिटल छाया सहेजी जाएगी, यही कारण है कि आज बैगा, पुजारी, साहित्यकार और आम नागरिक इस महायज्ञ में अपनी आहुति दे रहे हैं।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत

आज की डिजिटल पीढ़ी जब अपने जिले के 100 साल पुराने उत्सवों, रीति-रिवाजों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखेगी, तो उनमें अपनी मिट्टी के प्रति गौरव का भाव जगेगा, यह अभियान आधुनिकता और परंपरा के बीच एक मजबूत पुल का निर्माण कर रहा है।

एक सुव्यवस्थित टीम और बड़ी उपलब्धि

कलेक्टर के कुशल नेतृत्व में डिप्टी कलेक्टर उमेश कुमार पटेल और 68 सर्वेयरों की टीम दिन-रात फील्ड पर काम कर रही है, 16 नई पांडुलिपियों का हालिया अपलोड होना जिले की प्रशासनिक तत्परता को दर्शाता है।

प्रशासन की अपील

यह अभियान आपका है, आपकी विरासत का है, यदि आपके पास 70 साल से पुराना कोई भी हस्तलिखित दस्तावेज है, तो उसे साझा करें, हम उसे संरक्षित करेंगे ताकि आने वाली नस्लें जान सकें कि कोरिया का इतिहास कितना गौरवशाली था।

CMYK

राहुल गांधी से शादी मामले में कंगना रानौत ने ट्रोलर्स की लगाई जमकर क्लास

फर्जी कमेंट पर भड़कीं क्वीन

कंगना रानौत ने एक मीम पेज को आड़े हाथों लिया, जिसने उनके राहुल गांधी से शादी करने की झूठी खबर फैलाई थी। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने विचारों को लेकर काफी बेबाक हैं, और वह उन लोगों में से हैं जिन्हें पता है कि ट्रोल करने वालों को कैसे चुप कराना है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक मीम पेज को आड़े हाथों लिया है, जिसने उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की थीं, और साफ कर दिया है कि वह ऐसी कमेंट्स को वे मजाक में लेने वाली इंसान नहीं हैं।

क्या था मीम पेज पर?

राघव चड्ढा के बीजेपी में शामिल होने के बाद से सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें हो रही हैं,और अब एक मीम पेज ने एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें कंगना रनौत का एक फर्जी कमेंट दिखाया गया है। इस कमेंट में लिखा है,अगर राहुल गांधी बीजेपी में शामिल होंगे तो मैं उनसे शादी करने के लिए तैयार हूं। इस पोस्ट पर कंगना की नजर पड़ी और उन्होंने इसे आड़े हाथों ले लिया।

सोशल मीडिया पर कंगना ने लगाई फटकार

कंगना ने इस मीम को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया और लिखा, यह फर्जी खबर कितनी घटिया है। राजनीति में भी महिलाओं के लिए कोई गरिमा नहीं है। जो लोग यह फर्जी खबर फैला रहे हैं,उन पर शर्म आती है। यह सफाई तब आई जब कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि 40 साल की अभिनेत्री ने कथित तौर पर कहा था कि अगर कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल होने का फैसला करते हैं, तो वह उनसे शादी कर लेंगी।

कंगना रनौत का वर्कफ्रंट

कंगना फिलहाल अपनी हिट फिल्म क्वीन के सीक्वल पर काम करने में व्यस्त हैं। विकास बहल, जो फिल्म के निर्देशक हैं, उन्होंने कथित तौर पर शुरू से आखिर तक तीन महीने का एक बहुत ही व्यस्त शेड्यूल बनाया है। इस बीच, कंगना शूटिंग के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं।

क्या होगी क्वीन 2 की कहानी?

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दूसरा पार्ट ओरिजिनल फिल्म की सीधी अगली कड़ी नहीं है, लेकिन इसमें उसका मुख्य मैसेज वही रहेगा। कहानी दिखाती है कि कैसे एक ऐसी स्थिति आने पर वह अपनी असली पहचान पाती है। कंगना के अलावा, मूल कलाकारों में से किसी और के वापस आने की उम्मीद नहीं है। फिलहाल कास्ट और फिल्म को नाम को लेकर अभी कुछ भी ऑफिशियल नहीं है।

3 इडियट्स के सिक्वल में विक्की कौशल की एंट्री

आमिर खान की फिल्म में चौथे इडियट बनेंगे एक्टर?
विक्की कौशल को 4 इडियट्स की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई है, और वह संजूऔर डंकी के बाद राजू हिरानी के साथ फिर से काम करने के लिए काफी उत्साहित हैं। 3 इडियट्स के सीक्वल बनने वाले अपडेट के बाद अब एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक विक्की कौशल इस फिल्म में चौथे इडियट के रोल में नजर आ सकते हैं।

विक्की कौशल बनेंगे चौथे इडियट

विक्की कौशल 4 इडियट्स में शामिल होने के लिए बातचीत के एडवांस स्टेज पर हैं। यह हाल के समय की सबसे बड़ी कास्टिंग डेवलपमेंट में से एक बनने जा रहा है। पिंकविला के मुताबिक, एक्टर को एक अहम किरदार निभाने के लिए कंसीडर किया जा रहा है-चौथे इडियट का किरदार-जो आमिर खान,आर.माधवन और शरमन जोशी की मशहूर तिकड़ी में शामिल होंगे। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म अभी लिखने के स्टेज में है; हिरानी और उनके पुराने साथी अभिजात जोशी इसकी पटकथा पर काम कर रहे हैं। टीम पटकथा लिखने में पूरा समय ले रही है ताकि यह 3 इडियट्स की विरासत के मुताबिक हो। उम्मीद है कि इसका दूसरा भाग 2027 के दूसरे हिस्से में फ्लोर पर जाएगा।

विक्की ने हिरानी के साथ किया इन फिल्मों में काम

विकी,जिन्होंने पहले हिरानी के साथ संजू और डंकी में काम किया है, को यह स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका किरदार आमिर खान और बाकी लोगों की मूल तिकड़ी के साथ मिलकर एक भावनात्मक और नया नरेटिव सामने लाएगा। कौशल, आमिर खान के साथ स्क्रीन शेयर करने और ऐसी

फ्रैंचाइजी में योगदान देने के लिए बहुत उत्सुक हैं, जिसकी यादें लोगों के मन में आज भी ताजा हैं।

विक्की का वर्कफ्रंट

इस दुनिया में कदम रखने से पहले विक्की कौशल महावतार के लिए अपनी कमिटमेंट्स पूरी करेंगे। जैसा कि पहले बताया गया था, इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और इसके लिए एक लंबे शूटिंग शेड्यूल की जरूरत होगी।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

इस बीच, आमिर खान ने हाल ही में 4 इडियट्स के बनने की बात कन्फर्म की और संकेत दिया कि इसकी कहानी में 10 साल का लीप होगा, यानी कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां 3 इडियट्स खत्म हुई थी। इस टाइम जंप से उम्मीद है कि दर्शकों के पसंदीदा किरदारों की बदली हुई जिंदगी देखने को मिलेगी और साथ ही नए टकराव भी सामने आएंगे।

हुमा कुरैशी की शादी की चर्चा

39 की उम्र में दुल्हन बनने की अटकलें,ग्रैंड रिसेप्शन तक की योजनाएं सुर्खियों में बॉलीवुड गलियारों में जल्द शहनाई बजने वाली है। सुनने में आया है कि एक्ट्रेस हुमा कुरैशी जल्द शादी करने वाली हैं। वो अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रचित सिंह की दुल्हनियां बनने वाली हैं। दोनों का रिश्ता लंबे समय से सुर्खियों में बना हुआ है। इससे पहले दोनों की गुपचुप सगाई करने की खबरें आई थीं। हालांकि अभी तक हुमा ने शादी की इन खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है। ना ही वेडिंग डेट अनाउंस की है। मगर फैंस को खुश होने का मौका जरूर मिल गया है। वो एक्ट्रेस को दुल्हन के लुक में देखने का इंतजार कर रहे हैं। एक एजेंसी

ने अपने रिपोर्ट में हुमा के अक्टूबर में शादी करने की खबर दी है। जानकारी के मुताबिक, कपल अपना रिश्ता आगे लेकर जाना चाहता है। दोनों ने शादी की तैयारियां भी शुरू कर दीं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है- हुमा और रचित अक्टूबर के आखिर में या नवंबर में शादी कर सकते हैं। उनकी शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हुमा इंटीमेट वेडिंग पार्टी कर सकती हैं। इसके बाद इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए रिसेप्शन करेंगी। उनकी ये शादी काफी ज्यादा लैविश तो नहीं होगी,लेकिन उनके करीबी दोस्त और परिवारवाले ये शादी अटेंड करेंगे। एक ग्रैंड रिसेप्शन भी होगा। अभी तो ऐसा लग रहा है मुंबई कपल का रिसेप्शन वेन्यू होगा।

डकैत अ लव स्टोरी' बनी चर्चा में, हाई-स्टेक रोमांस ड्रामा को मिला मिला-जुला रिस्पॉन्स

आगामी और हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्मों में सबसे ज्यादा चर्चा बटोरने वाली फिल्म 'डकैत : अ लव स्टोरी' इन दिनों सुर्खियों में है। यह फिल्म अपने अनोखे कॉन्सेप्ट और दमदार स्टारकास्ट के कारण दर्शकों के बीच लंबे समय से इंतजार का विषय बनी हुई थी। फिल्म में अदिवी सेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप मुख्य भूमिकाओं में नजर आते हैं। निर्देशक शेनिल देव के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक ऐसे प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दो पुराने प्रेमी एक खतरनाक मिशन के दौरान एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत रास्तों पर खड़े हो जाते हैं। कहानी में जैसे-जैसे घटनाएं आगे बढ़ती हैं, भावनात्मक टकराव और तनाव बढ़ता जाता है। फिल्म में प्यार,धोखा और मुक्ति जैसे पहलुओं को एक हाई-स्टेक और जोखिम भरे बैकग्राउंड में दिखाया

गया है, जिससे कहानी और भी जटिल और रोमांचक बन जाती है। 'डकैत- अ लव स्टोरी' को 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था। रिलीज़ के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों और क्रिटिक्स की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कुछ दर्शकों ने फिल्म की कहानी और परफॉर्मेंस की सराहना की, जबकि कुछ ने इसकी गति और कथानक को लेकर अलग राय व्यक्त की। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका अलग तरह का ट्रीटमेंट और रोमांस व एक्शन का मिश्रण बताया जा रहा है,जो इसे सामान्य प्रेम कहानियों से अलग बनाता है। वहीं,अनुराग कश्यप की मौजूदगी ने फिल्म को और भी गंभीर और रॉ टोन दिया है। मृणाल ठाकुर और अदिवी सेष के किरदारों के बीच की केमिस्ट्री को फिल्म का अहम हिस्सा माना जा रहा है, जो कहानी के भावनात्मक पहलू को आगे बढ़ाती है। निर्देशक शेनिल देव ने फिल्म को एक ऐसे नैरेटिव में पेश किया है जहां रिश्तों की जटिलता के साथ-साथ जोखिम और अपराध की दुनिया भी समानांतर रूप से चलती है।

खेल समाचार

इंडिया और चीन में 2026 वर्ल्ड कप ब्रॉडकास्ट को लेकर अनिश्चितता

नई दिल्ली,04 मई 2026। दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों भारत और चीन में अगले महीने शुरू होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्रसारण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ब्रॉडकास्ट राइट्स को लेकर चल रही स्थिति के कारण इन दोनों देशों में लाखों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए टूर्नामेंट देखना मुश्किल हो सकता है। भारत में, रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस-डिज़्नी के जॉइंट वेंचर ने वर्ल्ड कप के प्रसारण अधिकारों के लिए लगभग 20 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव दिया था। हालांकि यह राशि फीफा की अपेक्षित कीमत से काफी कम थी,जिसे स्वीकार नहीं किया गया। फीफा, जो फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था है, ने इस ऑफर को अपनी मूल्यांकन के अनुरूप नहीं माना।

सूत्रों के मुताबिक,सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स ने भी बातचीत में भाग लिया था,लेकिन अंततः भारत के लिए वर्ल्ड कप प्रसारण अधिकारों पर कोई औपचारिक बोली नहीं लगाने का फैसला किया। इससे भारत में टूर्नामेंट के प्रसारण को लेकर स्थिति और अस्पष्ट हो गई है। वहीं,चीन के मामले में भी अभी तक किसी आधिकारिक ब्रॉडकास्ट डील की घोषणा नहीं हुई है। फीफा के अनुसार,चीन ने 2022 वर्ल्ड कप के दौरान वैश्विक डिजिटल और सोशल प्लेटफॉर्म पर कुल देखे गए घंटों का लगभग 49.8 प्रतिशत योगदान दिया था,जिससे वहां की दर्शक संख्या का महत्व स्पष्ट होता है। लेकिन मौजूदा स्थिति में चीन में 2026 वर्ल्ड कप के प्रसारण अधिकारों को लेकर कोई स्पष्ट समझौता नहीं होने से वहां के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए भी टूर्नामेंट देखने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में प्रसारण अधिकारों का न सुलझना फीफा के लिए भी एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि ये देश वैश्विक दर्शक संख्या और डिजिटल व्यूअरशिप में अहम भूमिका निभाते हैं। फिलहाल,दोनों देशों में ब्रॉडकास्टिंग को लेकर बातचीत या समाधान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, और स्थिति आगे आने वाले समय में स्पष्ट होने की उम्मीद है।

आईपीएल के बीच में इंग्लैंड वापस लौटे फिल साल्ट

नई दिल्ली,04 मई 2026। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चोटिल होने की वजह से तीन मैचों से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं है। उंगली में चोट लगने के कारण साल्ट बाहर हैं और उसकी जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को खेलने का मौका मिल रहा है। वह विराट कोहली के साथ ओपनिंग कर रहे हैं। इस चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं।

दिल्ली के खिलाफ मैच में लगी थी चोट

दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। उस मुकाबले में साल्ट ने सिर्फ 38 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली थी।

साल्ट के जल्द फिट होने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी और साल्ट दोनों को उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगे और वह इस महीने बाद में भारत लौट सकते हैं। साल्ट ने मौजूदा आईपीएल में छह पारियों में 168.33 के स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। आरसीबी फिलहाल पंजाब किंग्स के बाद पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। टीम के प्लेऑफ में जाने की संभावना काफी ज्यादा है।

पिंडली की चोट से धीरे-धीरे उबर रहे धोनी

नई दिल्ली,04 मई 2026। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट से धीरे-धीरे उबर रहे हैं,लेकिन टीम के साथ दिल्ली नहीं आए,जहां मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में सीएसके का सामना दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के बॉलिंग कंसल्टेंट एरिक सिमन्स ने पुष्टि करते हुए बताया कि माही टीम के साथ नई दिल्ली नहीं आए हैं। उन्होंने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, महेंद्र सिंह धोनी के बारे में कोई भी अपडेट देना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। वह हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। जब वह खेलने के लिए पूरी तरह तैयार होंगे, तब वह खेलेंगे, उन्हें खुद पता है कि वह कब खेलने के लिए तैयार हैं। वह टीम के साथ यहां (दिल्ली) नहीं आए हैं।

14 वर्षीय अपार सक्सेना बने इंटरनेशनल मास्टर

नई दिल्ली,04 मई 2026। 14 वर्षीय अपार सक्सेना ने यूरोप भर में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रतिष्ठित इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) का खिताब हासिल कर लिया है,जिन्होंने सिर्फ 5 हफ्तों में इसके लिए जरूरी तीनों मानदंड पूरे कर लिए। साल 2012 में जन्मे बेंगलुरु के इस युवा खिलाड़ी ने 30 मार्च को बोस्निया में हुए आईएम रेनोम 2 टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 9 में से 7 अंक हासिल करते हुए खिताब जीता और अपना पहला आईएम मानदंड पूरा किया। इसके तुरंत बाद, 6 अप्रैल को स्पेन में हुए सैन विसेंट ओपन में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में 54 देशों के 500 से भी ज्यादा खिलाड़ियों न हिस्सा लिया,जिसमें अपार ने एक बार फिर 9 में से 7 अंक हासिल किए। सक्सेना ने टूर्नामेंट के दो राउंड शेष रहते ही अपना दूसरा मानदंड पूरा कर लिया, जिससे उनकी निरंतरता

और संयम साफ झलकती है। अप्रैल के अंत में हुए मेनोर्का ओपन में भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। यहां उन्होंने 2404 की परफॉर्मेंस रेटिंग हासिल की और काफी रेटिंग अंक भी बटोरे। हालांकि, मुकाबले में बने रहने के बावजूद वे लगातार तीसरा मानदंड हासिल करने से बस जरा सा चूक गए।

इसके बाद अपार सक्सेना को 3 मई को सर्बिया में हुए आईएम पुतनिक 114 टूर्नामेंट में सफलता मिली। यहां सक्सेना ने एक बार फिर 9 में से 7 अंक हासिल किए,अपना आखिरी मानदंड पूरा किया और आधिकारिक तौर पर आईएम का खिताब अपने नाम कर लिया। इस टूर्नामेंट के दौरान, उनकी लाइव रेटिंग भी 2450 के पार पहुंच गई। यह उनकी पिछली रेटिंग 2185 से 1 मई तक की आधिकारिक रेटिंग 2362 तक हुई उनकी तेज बढ़त को दर्शाता है। अपार के पिता प्रशांत सक्सेना ने उनकी ट्रेनिंग, तैयारी और टूर्नामेंट प्लानिंग में अहम भूमिका निभाई है, जबकि मां रुचि सक्सेना पूरे सफर में लगातार उनका हौसला बढ़ाती रही हैं। अपार के विकास में उनके स्कूल सिलिकॉन सिटी एकेडमी ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन का बड़ा योगदान रहा है। उनके पिता प्रशांत ने चेसबेस इंडिया को बताया कि प्रिंसिपल सुमालिनी और स्कूल को-ऑर्डिनेटर शेनॉय ने अपार को लगातार प्रोत्साहित किया। पिछले 2 वर्षों में अपार का कोई निजी कोच नहीं रहा। इससे पहले उन्हें जयराम रमना ट्रेनिंग दे रहे थे। इसके अलावा, अपार ने किलर चेस ट्रेनिंग और यूरी वोव्क के कोर्सेज से भी मदद ली।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 आई में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए निगार सुल्ताना जोटी को फटकार लगाई गई

सिलहट,04 मई 2026। बांग्लादेश महिला टीम की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी को शनिवार को सिलहट में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी 20 आई मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। आईसीसी की मीडिया रिलीज़ के अनुसार, निगार को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया,जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों,मैदान के उपकरणों,या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल करने से संबंधित है। इसके अलावा, निगार के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है;पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना तब हुई जब बांग्लादेश बल्लेबाजी कर रहा था और आउट होने के बाद, निगार ने मैदान से बाहर जाते समय अपना बल्ला ज़मीन पर फेंक दिया था। निगार ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और अमीरात आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल की सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सज़ा को भी मान लिया,इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की ज़रूरत नहीं पड़ी।

छत्तीसगढ़ में जश्न : बंगाल-असम और पुडुचेरी में बीजेपी को बहुमत

रायपुर में झालमुड़ी बांटी,सांसद बोलीं...टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका

रायपुर,04 मई 2026। भाजपा का 5 राज्यों में से 3 (पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी) में सरकार बना रही है। फाइनल रिजल्ट कुछ देर में आएंगे। छत्तीसगढ़ में भी जीत का जश्न मनाया जा रहा है। रायपुर बीजेपी कार्यालय एकात्म परिसर में झालमुड़ी खाकर कार्यकर्ताओं ने सेलिब्रेट किया। 'पाप अनाचार में, घोर अंधकार में, श्री राम जी की सेना चली' गाना भी गाया। रायपुर में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा और रायपुर मेयर मिनल चौबे ने कहा कि बंगाल में बीजेपी ने टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका है। सनातन की जीत हुई है। वहीं बिलासपुर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बंगाल और असम विजय पर बधाई देते हुए कहा कि, यह कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम है। ममता गई अब बंगाल में समता आई। अद्भुत असम के विकास के लिए हम फिर जुटेंगे। मुंगेली जिला भाजपा कार्यालय में जीत का जश्न मनाया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी, आतिशबाजी की और ढोल की थाप पर जमकर थिरकते हुए खुशी जाहिर की।

बेलतरा विधायक के दफ्तर में झालमुड़ी पार्टी

बिलासपुर में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के दफ्तर में 'झालमुड़ी पार्टी' का आयोजन किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और ढोल-ताशों की धुन पर थिरकते हुए जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर भाजपा नेता और विधायक प्रतिनिधि पेसीराम जायसवाल ने कहा कि बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताते हुए 'निर्मम सरकार' को सत्ता से उखाड़ फेंका है। उन्होंने कहा कि यह दिन न सिर्फ बंगाल बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है और भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक है।

रायपुर लग रहे 'झालमुड़ी,ममता उड़ी' के नारे

रायपुर में झालमुड़ी स्टॉल संचालक ने बताया कि उन्होंने 200 से ज्यादा प्लेट झालमुड़ी बेच दी हैं। भाजपा कार्यालय में 'झालमुड़ी,ममता उड़ी' के नारे लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि उनके बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत- विधायक प्रबोध मिंज

विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। इसकी खुशी पूरे देश और पार्टी कार्यकर्ताओं में है, और इसी उत्साह में झालमुड़ी बांटकर जश्न मनाया जा रहा है।

जनता ने पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया : दीपक उज्ज्वल

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में 'झालमुड़ी पार्टी' का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा नेता दीपक उज्ज्वल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताते हुए ममता बनर्जी की सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया है।

रायपुर में निःशुल्क झालमुड़ी खिलवा रहे मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर,04 मई 2026। मंत्री ओपी चौधरी रायपुर स्थित अपने सरकारी बंगले के सामने निःशुल्क झालमुड़ी खिलवा रहे है। बंगाल में बीजेपी को मिली जीत से मंत्री ओपी चौधरी बेहद खुश है। बंगाल की 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। शुरुआती रुझान में भाजपा को बहुमत मिला है। भाजपा 194 और टीएमसी 94 सीटों पर आगे चल रही है। अब तक भाजपा को 45%, टीएमसी को 42% वोट मिलते दिख रहे हैं। भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी आगे हैं। सुवेंदु अधिकारी पीछे चल रहे हैं। मोदी ने जहां झालमुड़ी खाई उस इलाके में भाजपा चारों सीटों पर आगे है। ये सीटें झाड़ग्राम, बिनपुर, गोपीबल्लभपुर और नयाग्राम हैं। 2021 के मुकाबले इस बार भाजपा का वोट शेयर करीब 6% ज्यादा दिख रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक अभी भाजपा को करीब 45% वोट मिले हैं और पार्टी पिछली बार से 117 सीटें ज्यादा लेकर आ रही है।

संगीता सिन्हा बनीं छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्ष

रायपुर,04 मई 2026। संजारी बालोद से विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस ने लेटर जारी किया है। इससे पहले संगीता सिन्हा और छन्नी साहू के नाम के बीच पेंच फंसा हुआ था। संगीता आगामी स्थायी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। जनवरी में दिल्ली में इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की मौजूदगी में 5 वरिष्ठ महिला नेत्रियों अनिला भेड़िया, संगीता सिन्हा, छन्नी साहू, ममता चंद्राकर और तुलिका कर्मा ने अपनी दावेदारी पेश की थी। स्थायी प्रदेश अध्यक्ष के लिए मुकाबला मुख्य रूप से 2 नामों के बीच बताया जा रहा था। संगठन का एक वर्ग छन्नी साहू के पक्ष में है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खेमे से संगीता सिन्हा की दावेदारी मजबूत बताई जा रही थी। अब बतौर प्रभारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा के नाम पर मुहर लगी है।

फायरिंग प्रैक्टिस बनी हादसा
.303 राइफल फटने से जवान घायल,गर्दन के पास लगा शेल

धमतरी,04 मई 2026। जिले में फायरिंग रेंज पर अभ्यास के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रुद्री स्थित पुलिस लाइन के फायरिंग रेंज में सोमवार सुबह नगर सेना के जवान नियमित ट्रेनिंग कर रहे थे, तभी अचानक .303 राइफल का चैंबर फट गया। इस तकनीकी खराबी के चलते निकला मेटल शेल पास में खड़े जवान चौबे लाल टंडन के गर्दन के पीछे जा लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और साथी जवानों ने तुरंत घायल को प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, शेल गर्दन को छूते हुए कान के पीछे से निकला है और फिलहाल एक्स-रे रिपोर्ट के आधार पर आगे का इलाज किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में राइफल की तकनीकी खराबी को हादसे की वजह माना जा रहा है। वहीं,इस घटना के बाद पुलिस लाइन में सुरक्षा मानकों और हथियारों की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

युवा कांग्रेस में जल्द कराए जाएंगे चुनाव मई-जून से सदस्यता अभियान होगी शुरू

रायपुर,04 मई 2026। छत्तीसगढ़ में भारतीय युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव को लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर जल्द चुनाव कराए जाएंगे। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का कार्यकाल तीन साल से अधिक हो चुका है। ऐसे में संगठन में नई टीम के गठन की प्रक्रिया तेज होने वाली है। जानकारी के अनुसार, मई-जून के बीच सदस्यता अभियान शुरू किया जा सकता है। इसी आधार पर आगे चुनावी प्रक्रिया तय होगी। सदस्यता अभियान में बड़ी संख्या में युवाओं को जोडने की रणनीति बनाई जा रही है। चुनाव प्रक्रिया को संचालित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा इकाई की इलेक्शन टीम जल्द रायपुर पहुंचेगी। टीम यहां आकर पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग और संचालन करेगी। इस बार चुनाव को और व्यापक बनाते हुए ब्लॉक अध्यक्ष पद पर भी मतदान कराया जाएगा। इससे संगठन की पकड़ जमीनी स्तर तक मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। पूरी चुनाव प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संपन्न होगी। सदस्यता से लेकर मतदान तक की व्यवस्था डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए की जाएगी।

बंगाल,असम और पुडुचेरी में एनडीए की ऐतिहासिक जीत...सीएम साय ने कहा...विकसित भारत के संकल्प पर जनता ने लगाई मुहर

बंगाल समेत तीन राज्यों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए को प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश के लिए वहां की जागरूक, राष्ट्रनिष्ठ एवं विकासोन्मुख जनता का हृदय से अभिनंदन है। यह विजय भारतीय लोकतंत्र की सशक्तता, जनविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना का उज्ज्वल प्रतीक है। असम और पुडुचेरी में पुनः जनादेश व पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक सफलता यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व, सुशासन और 'विकसित भारत' के संकल्प पर जनता की अटूट आस्था की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। सीएम साय ने कहा, यह जनादेश तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और भय की राजनीति पर विकास, सुशासन एवं राष्ट्रहित की निर्णायक विजय है। बंगाल की यह ऐतिहासिक जीत वहां के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, त्याग और संकल्प का परिणाम है। सीएम साय ने कहा, इस ऐतिहासिक जीत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सशक्त संगठनात्मक नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सभी समर्पित कार्यकर्ता, संगठन पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि सहभागी रहे हैं। इस गौरवपूर्ण सफलता के लिए आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बंगाल की जनता ने डर को हटाकर विकास चुना : दुबे

बंगाल चुनाव में प्रचार के लिए गए भाजपा नेता मृत्युंजय दुबे ने कहा कि राज्य में भय का माहौल था, बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाएं होती थीं और ममता बनर्जी की 'दादागिरी' से जनता परेशान थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी नेतृत्व ने बंगाल की जनता को सुरक्षा, रोजगार, महिला सुरक्षा और विकास का भरोसा दिया। पश्चिम बंगाल की जनता ने डर को हटाकर विकास को चुना है। यह सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका : सांसद लक्ष्मी वर्मा

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, रायपुर मेयर मिनल चौबे, भाजपा छतीसगढ़ महिला मोर्चा अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि सनातन की जीत हुई है। भिलाई के घड़ी चौक पर भाजपा जिला अध्यक्ष समेत सभी कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों के साथ बंगाल और असम के रुझानों में भाजपा को बहुमत मिलता देख जीत का जश्न मनाया। लोगों को मिठाइयां बांटी गईं।

रायपुर में किरण देव सिंह का 'झालमुड़ी' से स्वागत

बंगाल रुझानों में भाजपा की बढ़त के बीच रायपुर स्थित भाजपा कार्यालय 'एकात्म परिसर' में उत्सव का माहौल रहा। जैसे ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव वहां पहुंचे, उत्साहित कार्यकर्ताओं ने बंगाल की मशहूर 'झालमुड़ी' भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान किरण देव ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए न केवल खुद झालमुड़ी का स्वाद चखा।

कवर्धा में भीषण सड़क हादसा : शादी में शामिल होने जा रहे 6 में से 4 लोगों की मौत

कवर्धा,04 मई 2026। रायपुर से पंडरिया शादी में शामिल होने जा रहे 6 लोगों से भरी तेज रफ्तार कार ने अचानक अनियंत्रित होकर पांडातराई थाना क्षेत्र के फोक नदी पुल से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हैं। लिस के अनुसार हादसा इतना विकराल था कि कार खाई में पलटते हुए बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर ही दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायलों ने अस्पताल ले जाते समय इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में अरमान खान, सौंफ, अनस और कौनेन शामिल हैं। वहीं जुनैद रज़ा और आरज़ू खान गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। सभी रायपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं और पंडरिया में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी लोगों को खाई से बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पांडातराई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और ड्राइवर की लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और शादी का घर खुशियों की जगह मातम में बदल गया है।

सीएम साय ने महिला श्रमिकों के साथ बैठकर खाया बोरे बासी और आमा चटनी

रायपुर,04 मई 2026। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कबीरधाम जिले के ग्राम लोखान में एक बेहद आत्मीय और संवेदनशील दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय निर्माणाधीन पंचायत भवन के औचक निरीक्षण के दौरान सीधे श्रमिकों के बीच पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान उनका यह दौरा केवल कार्यों की समीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आमजन के साथ उनके सहज जुड़ाव और संवेदनशील नेतृत्व का जीवंत उदाहरण बन गया। मुख्यमंत्री के अचानक पहुंचने से वहां कार्यरत श्रमिकों में उत्साह का माहौल बन गया और सभी ने उनका आत्मीय स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान वहां काम कर रही महिला श्रमिकों ने मुख्यमंत्री को बड़े स्नेह और आग्रह के साथ दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इस सादगी भरे निमंत्रण को मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकार किया और मुस्कुराते हुए उनसे पूछा कि वे खाने में क्या लेकर आई हैं। महिलाओं ने बताया कि वे अपने घर से पारंपरिक भोजन–बोरे बासी, पान पुरवा रोटी, चना भाजी, चरोटा भाजी, मुनगा बड़ी और आमा (आम) की चटनी लेकर आई हैं। यह सुनकर मुख्यमंत्री ने उसी सहजता से उनके साथ भोजन करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री साय श्रमिकों के बीच जमीन पर बैठ गए और उनके टिफिन से ही भोजन ग्रहण किया। बोरे बासी और आमा चटनी का स्वाद लेते हुए उन्होंने कहा कि यह भोजन उनकी अपनी जीवनशैली और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। भोजन के दौरान श्रमिक बहनों से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को भी समझने का प्रयास किया। उन्होंने श्रमिक महिलाओं से महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी ली। महिलाओं ने भी खुले मन से अपने अनुभव साझा किए, जिससे मुख्यमंत्री को योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सीधा फीडबैक मिला। जब मुख्यमंत्री ने गांव की प्रमुख समस्याओं के बारे में पूछा, तो महिलाओं ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पेयजल की समस्या लगातार बनी रहती है। बोरवेल और हैंडपंप लंबे समय तक कारगर नहीं रह पाते, जिससे गर्मी के दिनों में पानी की दिक्कत और अधिक बढ़ जाती है। इस समस्या को मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और तत्काल समाधान की दिशा में पहल करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही कलेक्टर से पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि क्षेत्र के 26 गांवों के लिए एक विशेष पेयजल योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत दूरस्थ जल स्रोतों से पाइपलाइन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की योजना है।

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 115 करोड़ का ओवरटाइम घोटाला...7 आरोपी पकड़े गए,कागजों में एक्स्ट्रा शिफ्ट

रायपुर,04 मई 2026। शराब घोटाले से जुड़े मैनपावर घोटाले में ACB-EOW की टीम ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 मई तक कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया गया है। यह घोटाला छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड में ओवरटाइम भुगतान के नाम पर किया गया था। इस मामले मेंACB-EOW ने पहले ही एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया है कि 2019-20 से 2023-24 के बीच मैनपावर और प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए ओवरटाइम भत्ते के नाम पर बड़े पैमाने पर पैसे का भुगतान किया गया। बताया जा रहा है कि 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम का गबन हुआ है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से एजेंसियों को गलत तरीके से भुगतान किया गया। इस मामले की शुरुआत प्रवर्तन निदेशालय (प्रवर्तन निदेशालय) की एक कार्रवाई से हुई। 29 नवंबर 2023 को प्रवर्तन निदेशालय ने रायपुर में 3 संदिग्धों से 28.80 लाख कैश बरामद किए थे। जब कड़ियां जोड़ी गईं, तो पता चला कि यह पैसा कर्मचारियों के पसीने की कमाई (ओवरटाइम) का था, जिसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया।

सीएम का हाथ पकड़कर अपने घर ले गया ग्रामीण,पीएम आवास दिखाया

कबीरधाम,04 मई 2026। सीएम साय लोखान पहुंचे है, इस दौरान विष्णु के सुशासन की मिसाल दिखी, जब हितग्राही मोहन मरावी बड़ी खुशी और सहजता से मुख्यमंत्री जी का हाथ पकड़कर उन्हें अपने पीएम आवास तक ले गए, आज सुशासन तिहार में अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पीएम आवास हितग्राही मोहन मरावी के गृह प्रवेश में शामिल हुए और पूरे आत्मीय भाव से परिवार संग खुशियां साझा कीं। उसके घर पहुंचकर नारियल फोड़ा, दीपक जलाया और गृह प्रवेश की रस्म निभाई। जब मुख्यमंत्री ने पूछा- आवास कोन दिहिस, तो मोहन ने मुस्कुराकर कहा- मोदी जी। विष्णुदेव सरकार के संवेदनशील, जन-केंद्रित और भरोसेमंद सुशासन का सजीव यह उदाहरण है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल टिकटिंग का विस्तार...44 स्टेशनों पर 87 एटीवीएम
कैशलेस सेवाओं को बढ़ावा...जल्द लगेंगी 38 नई मशीनें,टिकटिंग हुई तेज और पारदर्शी

बिलासपुर,04 मई 2026। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल टिकटिंग और कैशलेस सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप रेलवे अपने सेवा ढांचे को लगातार मजबूत कर रहा है, जिससे यात्रियों को तेज़, सरल और पारदर्शी सुविधाएं मिल सकें।

87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनें चालू

वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 44 स्टेशनों पर कुल 87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) स्थापित की जा चुकी हैं। इनमें बिलासपुर मंडल के 13 स्टेशनों पर 32, रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों पर 26 और नागपुर मंडल के 19 स्टेशनों पर 29 मशीनें कार्यरत हैं। इन मशीनों के माध्यम से यात्री बिना कतार में लगे आसानी से अनारक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

जल्द लगेंगी 38 नई मशीनें

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने 38 नई एटीवीएम स्थापित करने की योजना बनाई है। इनमें बिलासपुर मंडल में 12, रायपुर मंडल में 16 और नागपुर मंडल में 10 मशीनें शामिल होंगी। इससे स्व-टिकटिंग प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों के समय की बचत होगी।

डिजिटल लेन-देन में बढ़ोतरी

रेलवे में डिजिटल भुगतान को लेकर यात्रियों की रुचि लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में पीआरएस के 42 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं,जबकि यूटीएस और एटीवीएम के जरिए 34 प्रतिशत टिकट डिजिटल भुगतान से लिए जा रहे हैं। पार्सल कार्यालयों में 100 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल हो चुका है,वहीं टिकट जांच से होने वाली आय का 26 प्रतिशत भी डिजिटल माध्यम से प्राप्त हो रहा है।

पारदर्शिता और सुविधा में इजाफा

डिजिटल भुगतान से जहां नकद लेन-देन में कमी आई है, वहीं पारदर्शिता और जवाबदेही में भी वृद्धि हुई है। यात्रियों को तेज़ सेवा के साथ बेहतर अनुभव मिल रहा है। साथ ही यह पहल पेपरलेस व्यवस्था को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय समावेशन और डिजिटल सशक्तिकरण को भी मजबूती दे रही है।

भविष्य में और सुधार की तैयारी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सेवा गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

ghatatighatana.com
संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
दैनिक घटती घटना
संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

रोजगार का सुनहरा अवसर
दैनिक समाचार पत्र "घटती-घटना" में कार्य करने का मौका

योग्य, कर्मठ एवं जुझारू महिला/पुरुष उम्मीदवारों से निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित हैं –

क्र.सं.	पद	संख्या	वेतन
01	समाचार संपादक	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
02	प्रबंध संपादक	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
03	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	₹10,000 से ₹15,000
04	ब्यूरो चीफ	1 पद	₹10,000 से ₹15,000
05	संवाददाता	2 पद	₹8,000 से ₹12,000
06	कंप्यूटर ऑपरेटर	2 पद	₹8,000 से ₹12,000
07	कार्यालय अटेंडर	1 पद	₹6,000 से ₹8,000

विशेष निर्देश:
फोन पर संपर्क न करें
इच्छुक उम्मीदवार स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में उपस्थित हों
मौका न चूकें!
पता: कार्यालय – दैनिक समाचार पत्र "घटती-घटना" शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)
मोबाइल: 98265-32611
इस सूचना को अधिक से अधिक शेयर करें ताकि जरूरतमंदों तक पहुँच सके!

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)